MUMBAI TARANG™

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

अकेले हो तो...
विचारों पर काबू रखो
और
सबके साथ हो...
तो जुबान पर काबू रखो...

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-41 ❖ मुंबई ❖ रविवार 03 से 09 अक्टूबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
ऑक्सीजन की कमी होगी दूर-महाराष्ट्र में 116 नई कंपनियां शुरु करेंगी उत्पादन

पेज 5
रिपोर्ट में दावा- टाटा ने लगाई सबसे ऊंची बोली, सरकार ने कहा- अभी फैसला होना बाकी

पेज 7
अनुपम खेर फ़िल्म सॉंचा में दिल से अदाकारी की है ; निर्माता विवेक दीक्षित

पेज 8
लिटिल स्टार भौत्तिक इंटरनेशनल आइडल अवार्ड से सम्मानित

उद्धव ठाकरे का ऐलान, 'बिना एक भी पेड़ काटे होगा मेट्रो-3 का ट्रायल रन

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो के मार्ग पर ट्रायल रन के लिए आरे का एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। जनवरी, 2022 से मरोल मरोशी से मेट्रो-3 कॉरिडोर के मार्ग पर ट्रायल रन की शुरुआत होगी। ट्रायल रन पूरे मार्ग के बजाए मेट्रो के कुछ स्टेशनों के बीच होगा।

मुंबई, महाराष्ट्र केमुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो के मार्ग पर ट्रायल रन के लिए आरे का एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। जनवरी, 2022 से मरोल मरोशी से मेट्रो-3 कॉरिडोर के मार्ग पर ट्रायल रन की शुरुआत होगी। ट्रायल रन पूरे मार्ग के बजाए मेट्रो के कुछ स्टेशनों के बीच होगा। इस कॉरिडोर के लिए आंध्र प्रदेश में 8 कोच की ट्रेन तैयार कर ली गई है। अभी उसकी तकनीकी जांच का काम चल रहा है। दस हजार किलोमीटर तक मेट्रो का ट्रायल रन होगा। उसमें पास होने पर इस तकनीक पर आधारित 31 मेट्रो के रेक इस मार्ग पर दौड़ेंगे। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMRCL) के एमडी रणजीत सिंह देओल के मुताबिक, 'ढाई महीने में ट्रायल रन के लिए मेट्रो-3 तैयारी हो जाएगी। मेट्रो कोच के मुंबई आते ही ट्रायल रन शुरू कर दिया जाएगा।' बता दें कि 100 वर्ष से अधिक पुरानी कई इमारतों के नीचे से यह मेट्रो गुजरने वाली है। ट्रेन के चलने से होने वाले कंपन को कम करने के लिए जापान से मंगाए गए दुनिया के सबसे हाइटेक रेलवे ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

- -33.5 किमी लंबा मेट्रो मार्ग तैयार किया जा रहा है कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच
- -97 फीसद टनल तैयार करने का काम पूरा हो चुका है
- -100 प्रतिशत भूमिगत मार्ग तैयार हो जाएगा एक-डेढ़ महीने में
- -70 फीसद सिविल वर्क हो चुका है स्टेशनों का
- -7 किलोमीटर तक बिछा दी गई है पटरी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा-बच्चे को मां के पास रखना स्वाभाविक, उसके विकास के लिये अनुकूल

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक टेलीविजन अभिनेत्री को अपने पांच साल के बेटे को अलग हो चुके पति को सौंपने का निर्देश देने से इनकार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि एक बच्चे को उसकी मां के साथ रखना ज्यादा स्वाभाविक तथा उसके कल्याण व विकास के लिए अनुकूल लगता है। न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एन जे जमादार की खंडपीठ पति द्वारा दायर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने अभिनेत्री को बेटे का संरक्षण उसे सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। अदालत ने बच्चे का संरक्षण पिता को सौंपने से इनकार करते हुए कहा कि ऐसी कोई सामग्री नहीं है जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता हो कि मां के पास मां के पास रहना बच्चे के कल्याण और विकास के लिए हानिकारक है। अदालत ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में बच्चे को मां के साथ की जरूरत होती है और इसलिए उसे मां के संरक्षण में रखना बच्चे के विकास के लिए अधिक स्वाभाविक और अनुकूल लगता है। अदालत ने कहा, आमतौर पर, इतनी कम उम्र के बच्चे को एक मां जितना प्यार, स्नेह, देखभाल और सुरक्षा प्रदान कर सकती है, वह पिता या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदान किए जाने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। जरूरी नहीं कि यह पिता और अन्य संबंधों की अनुपयुक्तता को दर्शाता है।

मुंबईवासी इस साल भी नहीं खेल सकेंगे गरबा, BMC ने नवरात्रि के लिए जारी की गाइडलाइन

मुंबई, मुंबई में कोरोना संक्रमण के दूसरी लहर के कम होने के बाद आवश्यक गतिविधियों को आम लोगों को खोला जा रह है, लेकिन वहीं संभावित तीसरी लहर का डर भी अब सताने लगा है जिसे देखते हुए बीएमसी (BMC) ने नवरात्रि उत्सव (Navratri 2021) के लिए गाइडलाइन (Guideline) जारी की है। बृहन्मुंबई नगर निगम की तरफ से जारी गाइडलाइन के अनुसार गरबा (Garba) खेलने की अनुमति नहीं दी गई है और आरती या भजन के लिए पंडालों में 10 से अधिक लोगों को उपस्थित नहीं होने दिया जाएगा। निगम ने पूजा पंडालों के लिए सैनिटाइजेशन भी अनिवार्य किया है और पूजा के लिए किसी भी फूल और मिठाई की अनुमति नहीं दी गई है। इसी प्रकार पांच से दस लोग ही मूर्ति विसर्जन में शामिल हो पाएंगे। कोविड के कारण सील किए हुए इलाकों के निवासियों को त्योहार के दौरान घर से बाहर निकलने के लिए बीएमसी ने मना कर दिया है। नोटिस में नागरिक निकाय ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि लोगों को भीड़ को आकर्षित करने वाले गरबा और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों से बचना चाहिए। ऑनलाइन दर्शन की अनुमति इसने सार्वजनिक पंडालों से ऑनलाइन दर्शन की अनुमति दी गई है। महामारी के चलते यह अनुमति नि:शुल्क दी जा रही है। नोटिस में आगे कहा गया है कि सार्वजनिक मूर्तियों की ऊंचाई चार फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए और घर की मूर्तियों की ऊंचाई दो फीट से कम होनी चाहिए। पांच से अधिक लोगों को घर की मूर्तियों के विसर्जन जुलूस में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी और 10 से अधिक लोग सार्वजनिक मूर्तियों के लिए भाग नहीं ले सकते हैं। इसी तरह, पंडालों में आरती या भजन के लिए 10 से अधिक लोगों को अनुमति नहीं दी जाएगी, और सभी उपस्थित लोगों को वैक्सीन की दूसरी खुराक के 15 दिन बाद पूरे होने चाहिए। नोटिस में कहा गया है कि मंडलों को ऑनलाइन दर्शन का आयोजन करना चाहिए, भीड़ को आकर्षित करने वाले कार्यक्रमों से बचना चाहिए और प्रसाद देने से बचना चाहिए। विसर्जन स्थलों पर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं होगी और वार्ड अधिकारी व कर्मचारी मूर्तियों का एकत्रित कर विसर्जन करवाएंगे।

टीके की दोनों खुराकें ले चुके 0.25 फीसदी लोग हुए संक्रमित, उप मुख्यमंत्री ने की नियम मानने की अपील

एक समय में कोरोना वायरस से देश में सर्वाधिक प्रभावित राज्य रहे महाराष्ट्र में अब स्थिति काबू में दिख रही है। राज्य के उप मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पुणे में इस महामारी के खिलाफ टीकाकरण करवाने के बावजूद संक्रमित हुए लोगों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी। वहीं, मुंबई में मेयर किशोरी पेडनेकर ने 8वीं से 12वीं कक्षा तक के स्कूलों को चार अक्तूबर से दोबारा खोलने की अनुमति दे दी है।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को पुणे में एक प्रेसवार्ता में राज्य में कोरोना की स्थिति पर बात की। उन्होंने कहा कि हमने एक सर्वे करवाया था। इसमें पता चला है कि ऐसे करीब 0.19 फीसदी लोग जिन्हें टीके की पहली खुराक लगी, कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। वहीं, 0.25 फीसदी लोग कोरोना रोधी टीके की दोनों खुराकें लगवाने के बाद भी इस संक्रमण का शिकार हुए हैं। एनसीपी नेता पवार ने कहा कि इसे लेकर विशेषज्ञों ने हमें बताया है कि जिन लोगों को वैक्सीन की दोनों खुराकें लग चुकी थीं, वह कोविड नियमों का पालन नहीं कर रहे थे और वायरस की खुद तक पहुंच को आसान बना रहे थे, जिसके चलते वह संक्रमित हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि अब प्रतिबंधों में राहतें दिने जाने के बावजूद हमें सतर्क रहना चाहिए और कोविड नियमों का पालन करना चाहिए। मुंबई में चार अक्तूबर से खुलेंगे 8वीं से 12वीं तक के स्कूलउधर, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में आठवीं से 12वीं कक्षा तक स्कूलों को चार अक्तूबर से फिर से खोलने का फैसला किया गया। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि छात्रों को स्कूल आने के लिए अपने अभिभावकों से अनुमति लेनी होगी, एक कक्षा में केवल 20-25 बच्चों को बैठने की अनुमति होगी। इसके अलावा मास्क पहनना और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करना जरूरी रहेगा।

दिग्विजय की मांग

गुजरात में तीन हजार किलो हेरोइन जब्ती के मामले की हो न्यायिक जांच, एनआईए पर भरोसा नहीं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने गुजरात पोर्ट में 3000 किलोग्राम हेरोइन जब्ती के मामले में न्यायिक जांच की मांग की है। इसकी कीमत 21 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है।जोधपुर में प्रेस कांफ्रेंस में एक वीडियो दिखाते हुए दिग्विजय ने आरोप लगाया कि इसमें शामिल कुछ लोग भाजपा से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने ये भी पूछा कि सरकार बताए कि इन लोगों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत क्या कार्रवाई हुई है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय ने यह भी कहा कि नशीली दवाओं की जब्ती से संबंधित मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी गई है, लेकिन संगठन पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि इसने हर उस व्यक्ति को बरी करने का काम किया है जिसका संबंध भाजपा से था। सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि हमें एनआईए पर भरोसा नहीं है। मोदी-शाह के शासन में एजेंसी ने हर उस व्यक्ति को बरी करने के लिए काम किया है, जिसका भाजपा से संबंध था और जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिवक्ता एनआईए में तैनात हैं जो अभियोजन के बजाय उन्हें बरी करने के लिए बहस करते हैं। हमने मांग की कि जब्त ड्रग के मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के एक मौजूदा या सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जानी चाहिए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एआईसीसी के निर्देश पर इस मुद्दे को उठाने के लिए यहां आए थे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी आतंकवाद से ज्यादा गंभीर मुद्दा है क्योंकि यह देश के युवाओं को तबाह कर देता है। उन्होंने कहा कि इसी तरह की 25,000 किलोग्राम हेरोइन की खेप इस साल जून में भी गुजरात में जब्त की गई थी।राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआईरआई) ने हाल ही में लगभग 3,000 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है।

शासन ने देर रात किए वरिष्ठ 48 पीसीएस अफसरों के तबादले

शासन स्तर पर गुपचुप तबादलों का दौर जारी है। बृहस्पतिवार देर रात 48 वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इनमें लखनऊ सहित कई जिलों से अफसरों की अदला-बदली हुई है।जिलों व सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक ही जिले में तीन वर्ष पूरा करने वाले अफसरों को भी इधर से उधर किया गया है। जबकि कई अफसरों के तबादले निरस्त भी किए गए हैं। तो कुछ को तबादला नीति से राहत भी दी गई है।बड़ी संख्या में उपजिलाधिकारियों को पदोन्नति देकर सिटी मजिस्ट्रेट व अन्य समकक्ष पदों पर तैनात किया गया है। शासन ने ये तबादले पब्लिक डोमेन में जारी नहीं किया है, इससे पीसीएस संवर्ग में गहरी नाराजगी है। अधिकारी देर रात तक तबादलों की जानकारी के लिए परेशान रहे।पीसीएस अधिकारी इधर से उधरअजीत सिंह उप निदेशक मंडी से सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण, संतोष कुमार एसडीएम लखनऊ से उप निदेशक मंडी, चंदन पटेल सिटी मजिस्ट्रेट उन्नाव से उप निदेशक मंडी, विजेता एसडीएम औरैया से सिटी मजिस्ट्रेट उन्नाव, भानु प्रताप सिंह अपर नगर आयुक्त कानपुर से एडीएम वित्त-राजस्व मऊ, सूर्यकांत त्रिपाठी एसडीएम लखनऊ से अपर नगर आयुक्त कानपुर, अतुल कुमार एडीएम चंदौली से सीआरओ मऊ, उमेश मिश्रा सिटी मजिस्ट्रेट इटावा से एडीएम वित्त-राजस्व चंदौली, राजेंद्र प्रसाद एसडीएम बरेली से सिटी मजिस्ट्रेट इटावा और विनय प्रकाश श्रीवास्तव एडीएम हमीरपुर से अपर आयुक्त कानपुर भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने संभाली स्थिति, नाराज विधायकों ने कहा- हमारा समर्थन गहलोत सरकार के साथ

दिल्ली पहुंचे बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए राजस्थान के विधायकों के सुर अब बदलने लगे हैं। एक दिन पहले ही दिल्ली आए 4 असंतुष्ट विधायकों ने अब यह कहा है कि वो गहलोत सरकार के साथ हैं और सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बारे में राय लेने दिल्ली पहुंचे हैं।

उनका पूरा समर्थन गहलोत सरकार के साथ बना हुआ है। दिल्ली में विधायकों ने डाला डेराबहुजन समाज पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए 6 में से 4 विधायक राजेंद्र गुढ़ा, वाजिब अली, संदीप यादव और लाखन सिंह बुधवार को ही दिल्ली पहुंचे थे। बसपा से कांग्रेस में विलय के मामले में इन विधायकों को अब दल बदल कानून के तहत अपनी सदस्यता जाने का डर सताने लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें दल बदलने से संबंधित रिपोर्ट पेश करने को कहा है।इसके अलावा चारों विधायक मंत्रिमंडल में जगह न मिलने से भी नाराज चल रहे थे। कहा जा रहा है कि विलय के समय इन्हें मंत्री पद का भरोसा दिया गया था। विधायकों के दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से भी मिलने के कयास लगाए जा रहे थे। गहलोत से बात करने के बाद हुए नरमबताया जा रह है कि चारों विधायकों से मुख्यमंत्री गहलोत ने फोन पर बात की और उनकी नाराजगी का कारण पूछा था। विधायकों ने किसी हालत में अपनी सदस्यता बचाए रखने की बात कही। गहलोत के आश्वासन के बाद विधायकों ने अपने रुख में नरमी लाई और बताया कि वो दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के नोटिस के बारे कानूनी राय लेने पहुंचे हैं। उनका पूरा समर्थन गहलोत सरकार के साथ बना हुआ है। 2019 में हुए थे कांग्रेस में शामिल मुख्यमंत्री गहलोत ने साल 2019 में ही बसपा के सभी 6 विधायकों का कांग्रेस में विलय करा दिया था। इस विलय को अगले ही दिन विधानसभा अध्यक्ष की मंजूरी मिल गई थी। बसपा ने दल बदल कानून का हवाला देते हुए इस विलय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। तब से यह मामला कोर्ट के अधीन है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी 6 विधायकों को 25 अक्तूबर से पहले जवाब पेश करने के लिए नोटिस जारी किया है।

दुविधा में फंसी कांग्रेस

पंजाब में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच गुरुवार को हुई लंबी बैठक भी कोई नतीजा नहीं दे सकी। वैसे विवाद सुलटाने की कोशिश अभी जारी है लेकिन हकीकत यही है कि पंजाब में कांग्रेस अपनी ही बनाई गुत्थी में कुछ इस तरह उलझ गई है कि उससे निकलते नहीं बन रहा। नए मुख्यमंत्री चन्नी के फैसलों पर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष सिद्धू ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, उसके बाद यह समझना मुश्किल है कि कैसे दोनों आपस में तालमेल बनाकर चलेंगे और उसे उसूलों पर समझौता नहीं मानेंगे। उधर, कैप्टन अमरिंदर सिंह ने यह तो साफ कर दिया कि वह बीजेपी में शामिल नहीं हो रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही पार्टी छोड़ने का इरादा भी जाहिर कर दिया। उन्हें मनाने की कवायद चल रही है, पर तय नहीं है कि ऊंट आखिरकार किस करवट बैठेगा। पांच महीने बाद जिस राज्य में चुनाव होने वाले हों, वहां सत्तारूढ़ दल के अंदर इस तरह की अनिश्चितता पार्टी नेतृत्व की घोर असफलता ही कही जाएगी। हालांकि लंबे समय से कुछ न करने का आरोप झेलने वाले कांग्रेस नेतृत्व ने पिछले दिनों कुछ ठोस फैसले लेकर पॉजिटिव संदेश दिया था। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह के विरोध के बावजूद सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाना, अच्छी-खासी दलित आबादी वाले राज्य को पहला दलित सीएम देना और कन्हैया कुमार, जिग्नेश मेवानी के रूप में मास अपील वाले युवा नेताओं को प्रवेश देना ऐसे फैसले हैं, जिनके पक्ष-विपक्ष में बहुत कुछ कहा जा सकता है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि ये खास सोच के साथ लिए गए ठोस फैसले हैं। मगर खास सोच के साथ लिए

जाने वाले फैसलों का भी फायदा तभी मिलता है, जब उसे पूरी तैयारी के साथ और उपयुक्त ढंग से लागू किया जाए। कम से कम पंजाब के मामले में इसकी इतनी कमी रही कि घोषणा के बाद से ही इन फैसलों के साइड इफेक्ट नेगेटिव रूप में सामने आने लगे। पिछले दो महीनों के दौरान सिद्धू ने जिस तरह का व्यवहार किया है, उसका बचाव करना उनके समर्थकों के लिए भी मुश्किल है। जाहिर है, यह सवाल उठेगा कि राज्य में पार्टी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपने से पहले उनकी काबिलियत परखने का कौन सा तरीका पार्टी हाईकमान ने अपनाया था। गुलाम नबी आजाद और कपिल सिब्बल जैसे वरिष्ठ नेताओं ने जो कुछ कहा है, उसके पीछे इन सवालों से उपजी बेचैनी महसूस की जा सकती है। इस बेचैनी को नजरअंदाज करना या इसे पार्टी विरोधी गतिविधियों की श्रेणी में डालने की कोशिश करना आत्मघाती होगा। देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी खुद को एक पूर्णकालिक, जिम्मेदार और पारदर्शी नेतृत्व से वंचित नहीं रख सकती। पार्टी के सामने चुनौतियां तो अलग-अलग तरह की आती रहेंगी, फैसले भी कुछ सही और कुछ गलत होते रहेंगे, लेकिन सर्वोच्च स्तर पर नेतृत्वहीनता की स्थिति पार्टी को कहीं का नहीं छोड़ेगी।

और अब हेल्थ आईडी

किरीट ए. चावड़ा

आयुष्मान भारत योजना की तीसरी वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के रूप में एक और महत्वाकांक्षी पहल की। इस योजना के जरिए पूरे देश के अस्पतालों के डिजिटल हेल्थ सॉल्यूशंस को एक-दूसरे से जोड़े जाने का इरादा है। हर व्यक्ति का एक डिजिटल हेल्थ आईडी होगा, जिसके माध्यम से उसका हेल्थ रेकॉर्ड डिजिटली सुरक्षित रखा जाएगा। मोबाइल ऐप के सहारे कभी भी डिजिटल हेल्थ रेकॉर्ड तक पहुंचना संभव होगा। इसका मतलब यह हुआ कि हर व्यक्ति के लिए अपने स्वास्थ्य से संबंधित रेकॉर्ड को सुरक्षित रखने और डॉक्टर के पास जाने से पहले तमाम रिपोर्ट्स की कॉपी करवाकर साथ ले जाने की जरूरत नहीं रह जाएगी। इस समय सोच कर भले यह कुछ अनोखी सी बात लग रही हो, लेकिन तकनीक ने बिल पेमेंट और कैश ट्रांसफर जैसे कार्यों को आसान बनाकर हमारी जिंदगी में जिस तरह का गुणात्मक बदलाव किया है, हेल्थ के क्षेत्र में कुछ ऐसा ही युगांतरकारी बदलाव इस नई मुहिम से भी आ सकता है। हालांकि हर नई योजना अपने साथ कई तरह के सवाल और चुनौतियां लेकर आती है। इस योजना में डेटा प्राइवेसी और डेटा सुरक्षित रखने जैसे सवाल हैं। मगर एक अच्छी बात यह है कि

आयुष्मान भारत योजना का तीन साल का अनुभव लोगों को इस बात के लिए प्रेरित करेगा कि सवाल उठाने और आशंकाएं व्यक्त करने से पहले यह देखा जाए कि इसे जमीन पर उतारने की प्रक्रिया किस तरह से आगे बढ़ती है और उसके नतीजे किस रूप में सामने आते हैं। याद किया जा सकता है कि आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत में भी तरह-तरह के सवाल खड़े किए गए थे। इन्हीं सवालों के प्रभाव में कई राज्य सरकारों ने उसे अपनाने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उनके यहां पहले से ही दूसरी स्वास्थ्य योजनाएं चल रही हैं, जिनसे लोग लाभान्वित हो रहे हैं। बाद में तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों ने अपनी पहले से जारी योजनाओं को बरकरार रखते हुए भी आयुष्मान भारत योजना को अपनाने का फैसला किया, जो निश्चित रूप से इसकी कामयाबी का ठोस सबूत है। हालांकि इसका यह मतलब नहीं कि इस योजना में कोई कमी नहीं है। जानकारों के पास उन छोटे-छोटे उपायों की लंबी सूची है, जिन्हें अपनाकर आयुष्मान भारत योजना को व्यवहार में ज्यादा उपयोगी बनाया जा सकता है। मगर सबसे बड़ी बात यह कि चाहे आयुष्मान भारत योजना हो या आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, यह मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे में उपलब्ध संसाधनों तक अधिक से अधिक लोगों की पहुंच को आसान बनाने की कोशिश है। यह बहुत जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही संसाधनों की कमी दूर करने यानी डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने और चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान देना भी जरूरी है।

जिगर डी वाढेर

विपक्षी एकता कहीं ख्याली पुलाव तो नहीं

पिछले कुछ महीनों से 2024 आम चुनावों में बीजेपी से मुकाबले के लिए विपक्षी दलों की एकता की कोशिश चल रही थी। इसके लिए एक के बाद एक कई मीटिंग भी हुईं। ऐसा संदेश गया कि विपक्षी दल पिछली गलतियों से सीख लेते हुए इस बार एक मंच पर आएंगे और आपसी मतभेद दूर करेंगे। लेकिन अभी विपक्षी एकता कोई आकार लेती कि पिछली बार की तरह ही फिर यह पटरी से उतरती दिखने लगी। हालांकि इस बार इसके पीछे कारण थोड़े अलग हैं। अभी तक विपक्षी एकता में नेतृत्व को लेकर सबसे अधिक विवाद होता था। लेकिन इस बार विपक्षी दलों की आपस में ही सेंधमारी होने लगी। जिस तरह समान विचारधारा वाले विपक्षी दल दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में करने लगे हैं, उससे विपक्षी एकता की कोशिश फिलहाल विपक्ष बनाम विपक्ष की सियासी जंग में बदल गई है। टीएमसी कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में कर रही है। कांग्रेस लेफ्ट नेताओं को शामिल कर रही है। आपस में पाले बदलने का ट्रेंड अभी रुकता भी नहीं दिख रहा है। इससे दलों के बीच कटुता भी सामने आई है। जहां महज कुछ दिनों पहले विपक्षी एकता के लंबे-चौड़े दावे हो रहे थे, अब बयानों में तल्खी है। अब तो सवाल यह पूछा जा रहा है कि विपक्ष बनाम विपक्ष की जंग कहां तक जाएगी?

क्यों आई यह नौबत

एकता की बातों के बीच ऐसी नौबत क्यों आई? क्षेत्रीय दल विपक्षी एकता में जारी इस जंग के लिए कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका मानना है कि पिछले कुछ सालों से कांग्रेस के गिरते ग्राफ से हालात बदल गए हैं, जिसे कांग्रेस समझ नहीं पा रही है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका मानना है कि कई राज्यों में कांग्रेस बीजेपी को टक्कर नहीं दे रही है, ऐसे में विपक्ष का स्पेस किसी न किसी को तो लेना ही होगा। पूर्वोत्तर भारत के एक क्षेत्रीय दल के सीनियर नेता ने एनबीटी को बताया कि दो सालों में अब तक पार्टी एक पूर्णकालिक अध्यक्ष ही नहीं चुन पाई है। उन्होंने कहा कि आपसी गुटबाजी अलग बात है, पार्टी धरातल पर गंभीर नहीं दिखती है। नेताओं ने कहा कि बाहर ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के अंदर भी इस बात को लेकर बेचैनी है। ऐसे में अब क्षेत्रीय दलों का मानना है कि 2021 में कांग्रेस की स्थिति 2004 वाली नहीं रही और विपक्ष की ताकत का नए सिरे से गठन होना चाहिए, उन्हें स्पेस मिलना चाहिए। वहीं आम आदमी पार्टी, टीएमसी जैसे दलों को यह भी

लगने लगा है कि यही मौका है जब वे अपनी पार्टी का विस्तार कर सकते हैं।

उधर कांग्रेस को लगता है कि क्षेत्रीय दल अति महत्वाकांक्षा का शिकार हो रहे हैं, और वे जो कर रहे हैं उससे आखिरकार बीजेपी को ही फायदा होगा। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि विपक्षी एकता का मतलब यह नहीं है कि वे अपनी जमीन बाकी दलों को दे दें। लेकिन कांग्रेस भी इस खेल में शामिल है। लेफ्ट नेता कन्हैया को तब दल में शामिल किया गया, जब सीपीआई नेता डी. राजा पार्टी से यह फैसला नहीं लेने का आग्रह कर रहे थे। वहीं कन्हैया के शामिल होने से न सिर्फ लेफ्ट दलों से, बल्कि बिहार में आरजेडी से भी कांग्रेस के रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार पप्पू यादव को भी कांग्रेस शामिल कर सकती है, जिनका आरजेडी से विरोध है। उसी तरह टीएमसी ने गोवा, त्रिपुरा, असम और मेघालय में कांग्रेस के कुछ सीनियर नेताओं को अपने पाले में किया, तो अभी कई नेताओं के उनके संपर्क में रहने की भी बात कही जा रही है। इन राज्यों में टीएमसी भी चुनाव में उतरेगी। आम आदमी पार्टी दिल्ली के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात सभी जगह कांग्रेस का स्पेस ले रही है। अभी जो संकेत मिल रहे हैं उनके हिसाब से अगले कुछ दिनों में तनातनी और भी बढ़ सकती है। इसका असर विपक्षी दलों की एकता पर पड़ सकता है।

क्या बन पाएगी एकता

तो क्या विपक्षी एकता की कोशिश अब पूरी तरह से बेपटरी हो जाएगी? नेताओं का मानना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगा। विपक्षी दलों के नेताओं के अनुसार अभी इस मसले पर तनातनी जरूर दिख सकती है, लेकिन इसका असर विपक्षी एकता पर नहीं दिखेगा। उन्होंने कहा कि हर पार्टी अपने संगठन को मजबूत करना चाहती है, उसका विस्तार करना चाहती है। इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन 2024 में बीजेपी के सामने इनके लिए एक होने का विकल्प नहीं होगा, बल्कि यह सबकी मजबूरी होगी। ऐसे में वे कुछ महीनों तक खुद को विस्तार देकर एक बार फिर विपक्षी एकता की कोशिश में लग सकते हैं। वहीं अगले साल फरवरी-मार्च में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम भी कोई न कोई दिशा तो लेंगे ही। जाहिर है कि वे मौजूदा तनातनी के बाद भी विपक्षी एकता की कोशिश को खारिज नहीं करते हैं।

वे यह भी समझते हैं कि क्षेत्रीय दल कितने भी एकजुट हो जाएं, अगर कांग्रेस ने अपनी स्थिति नहीं सुधारी तो इस लड़ाई का कोई मतलब नहीं। इसके पीछे तर्क यह है कि 2019 आम चुनाव में लगभग 225 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस-बीजेपी का सीधा मुकाबला हुआ, जिनमें 200 से अधिक सीटें बीजेपी ने जीतीं। ऐसी परिस्थिति बनी रही तो उनके एक होने का भी अधिक लाभ नहीं होगा और वे बीजेपी को नहीं रोक सकते हैं।

ऐसे में उनका फोकस गढ़ बचाने पर ही अधिक रह सकता है और उनके विस्तार प्लान को ब्रेक लग सकता है। वहीं कांग्रेस को भी अहसास है कि उसकी ताकत इतनी नहीं है कि बीजेपी से मुकाबला कर सके। गठबंधन उसके लिए मजबूरी है। जाहिर है, आने वाले समय में विपक्षी एकता की रेल तो हमेशा की तरह चलती रहेगी, लेकिन फिलहाल यह बेपटरी जरूर होती दिख रही है।

जातियों की साधना में सियासी लामबंदी?

भूपेन्द्र पटेल

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक जुमला खूब चलता है कहते हैं 'दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से गुजरता है'। देश के सबसे बड़े राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। नतीजा राज्य की सियासत गर्म हो गई है। राजनीतिक दल और सरकारें अपने विकास को भूल कर जातिवाद का भजन करने लगी हैं। अभी तक जो सरकार विकास की उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती थी वह जाति पर आकर अटक गई है। राज्य विधानसभा का चुनाव पूरी तरह जातिवाद पर लड़ा जाएगा। विकास सिर्फ मंचीय होगा। सत्ता में मौजूद योगी सरकार को अपने विकास पर भरोसा नहीं है। चुनाव की गोंट फीट करने के लिए जातियों पर दांव लगाया जा रहा। राज्य के मंत्रिमंडल विस्तार में यह बात साफ हो गयी है। राज्य की सत्ता में दोबारा वापसी के लिए भारतीय जनता पार्टी जहां ओबीसी पर अपनी निगाहें गड़ाए है। वहीं समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ब्राह्मणों का गुणगान करने में लगी हैं। बहुजन समाज पार्टी जगह-जगह ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित कर ब्राह्मणों को अपने पाले में करना चाहती है। क्योंकि 2007 में मायावती के सत्ता वापसी के मूल में ब्राह्मण ही था। बसपा राज्य में दलित उत्पीड़न के फर्जी मुकदमों से परेशान होकर अगड़ी जातियां समाजवादी पार्टी के पाले में चली गयीं जिसके बाद अखिलेश यादव की सरकार बनी। अखिलेश यादव सत्ता में दोबारा वापसी के लिए ब्राह्मणों को सिर आंखों पर बिठना चाहते हैं। वह अपनी जनसभाओं में परशुराम का मंदिर बनवाने की बात करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में भी रूपाणी युग के अंत के बाद पटेलों पर अधिक भरोसा जताया गया है। यहां भी विकास पर भरोसा कम जातियों पर अधिक दांव लगा है। यहाँ भी आम चुनाव होने हैं। सरकार में पटेल जातियों से सबसे अधिक मंत्रियों को तवज्जो दी गई है। पंजाब में चरणजीत चन्नी को मुख्यमंत्री बनाकर दलितों को साधने की कोशिश यह बताती है कि राजनीतिक दलों को अपने काम पर कम जातियों पर अधिक भरोसा है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात और दूसरे राज्यों का चुनाव करीब होने से राजनीतिक हलकों में जातिगत जनगणना का मुद्दा खूब चल रहा है। पिछड़े वर्ग के राजनेता दलीय प्रतिबद्धता को ताक पर रखकर जातिय जनगणना का राग अलाप रहे हैं लेकिन केंद्र सरकार तैयार नहीं दिखती है।यूपी की योगी सरकार सबसे अधिक दांव पिछड़ों पर लगा रहीं है। अगड़ी जातियों को लेकर वह अधिक संवेदनशील नहीं दिखती है। क्योंकि उसे मालूम है कि राज्य की अगड़ी जातियां भाजपा छोड़कर अन्यत्र नहीं जानेवाली हैं। लेकिन अगड़ी जातियों में नाराजगी से इनकार नहीं किया जा सकता है। आरक्षण और पिछड़ों को अधिक सम्मान वह कितना पचा पाएगा यह वक्त बताएगा। मंत्रिमंडल विस्तार में पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी को साधने की पूरी कोशिश की गई है। ओबीसी और दलित चेहरों को शामिल किया गया है। जितिन प्रसाद एक मात्र चेहरे हैं जिन्हे कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। मंत्रिमंडल विस्तार में जिन लोगों को राज्यमंत्री बनाया गया है उनकी कोई विशेष राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं दिखती है। जितिन प्रसाद को छोड़ बाकि ऐसे चेहरे हैं जो चुनावी गणित साधने के लिए पहली बार मंत्री बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार सिर्फ जातिय गणित साधने की कोशिश है। क्योंकि चुनाव में अब बहुत अधिक वक्त नहीं रह गया है। नए चेहरों के पास अभी सरकार और मंत्रालय संभालने का कोई अनुभव नहीं है। इसलिए विकास में इनकी कोई भूमिका नहीं हो सकती है। अब जातियों को साधने में नए मंत्री कितना कामयाब होंगे यह तो भविष्य बताएगा। जितिन प्रसाद ही सिर्फ ऐसे राजनेता है जो हैसियत वाले हैं। राजनीति का उन्हें अच्छा-खासा अनुभव है। वह कांग्रेस संस्कृत के राजनेता रहे हैं हाल में पार्टी को छोड़कर वह भाजपा में आए हैं। उनके पिता भी कांग्रेस में केंद्रीय मंत्री थे। प्रसाद का पश्चिमी यूपी के रुहेलखंड में अपना आधिपत्य है। 2004 में शाहजहांपुर से वह पहली बार सांसद बने। 2009 में वह धौराहरा संसदीय सीट से सांसद चुने गए। 2008 में कांग्रेस सरकार में इस्पात मंत्री बनाए गए। जितिन प्रसाद सोनिया गांधी के खिलाफ पार्टी अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ा था। अब देखना होगा कि प्रसाद राज्य के ब्राह्मणों को चुनावी नजरिए से साधने में कितने सफल होते हैं।

उत्तर प्रदेश में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में कुल सात लोगों को शामिल किया गया है। जिसमें जितिन प्रसाद के साथ पूर्वांचल के गाजीपुर से संगीता बिंद, सोनभद्र से संजय गोंड को मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल किया गया है। निषाद और दलित जातियों को साधने के लिए इन लोगों को मंत्री बनाया गया है। जबकि पश्चिमी यूपी से सबसे अधिक पांच चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से जितिन प्रसाद को कैबिनेट मंत्री बताएगा बनाया गया है। आगरा से धर्मवीर प्रजापति, बलरामपुर से पलटूराम, बरेली से छत्रपाल गंगवार, मेरठ से दिनेश खटीक को शामिल किया गया है। पश्चिमी यूपी में किसान आंदोलन को देखते हुए मंत्रिमंडल विस्तार काफी अहम माना जा रहा है। यही कारण है कि पश्चिमी से सबसे अधिक चेहरों को जगह मिली है। उत्तर प्रदेश में पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक तकरीबन 40 फीसदी है। सवर्ण जातियां 20 फीसदी के आसपास हैं। राज्य में ब्राम्हण 10 से 12 फीसदी है। यादव 12 फ़ीसदी जबकि कुर्मी और अन्य पिछड़ी जातियां 8 फीसदी के करीब हैं। जाट और मल्लाह 5 फीसदी हैं। 18 फिसदी मुस्लिम और 25 फीसदी के आसपास दलित जातियां हैं। 2017 के राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा को पिछड़े वर्गों का अधिक समर्थन मिला था। राज्य में यादव समाजवादी पार्टी का जबकि दलित बहुजन समाज पार्टी का परम्परागत वोटर रहा है। राज्य सरकार पिछड़ी और दलितों में जो उपजातियां हैं उन्हें अपने पाले में लाने की भरपूर कोशिश कर रही है। लेकिन डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतें से आम लोग परेशान हैं बेगारी भी अहम मुद्दा है। योगी सरकार दोबारा सत्ता में वापसी के लिए हर कदम उठा रहीं है। राज्य में निषाद और बिंद जातियों को पाले में करने के लिए निषाद पार्टी के साथ विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। निषाद पार्टी के संजय निषाद इसकी घोषणा कर चुके हैं। पूर्वांचल में पटेल और कुर्मी जातियों पर अच्छी पकड़ होने की वजह अनुप्रिया पटेल को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया। उधर अससुद्दीन ओवैसी मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण करने में जोर-शोर से लगे हैं। अगर वह कामयाब होते हैं तो इसका सीधा फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। हालांकि मुसलमान बेहद चालाक है। क्योंकि वह भाजपा को रोकने के लिए पूरी कोशिश करता है।

ऑक्सीजन की कमी होगी दूर-महाराष्ट्र में 116 नई कंपनियां शुरु करेंगी उत्पादन

मुंबई। कोरोना महामारी के विकराल रुप लेने पर महाराष्ट्र को ऑक्सीजन के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर रहना पड़ा था। इससे सबक लेते हुए राज्य सरकार ने ऑक्सीजन के मामले में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की योजना तैयार की है। 'मिशन ऑक्सीजन स्वावलंबन' के तहत राज्य में अतिरिक्त 1400 मैट्रिक टन ऑक्सीजन तैयार किया जाएगा। फिलहाल राज्य में 116 कंपनियों ने ऑक्सीजन उत्पादन प्रोजेक्ट लगाने के लिए आवेदन किए हैं। इससे 1428 मैट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पादन हो सकेगा। इस साल मार्च में कोरोना की दूसरी लहर आने पर ऑक्सीजन की कमी के चलते बहुत से लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

बीते अगस्त माह के दौरान राज्य में 1300 मैट्रिक टन ऑक्सीजन का उत्पादन हो रहा था। जबकि बढ़ते कोरोना मरीजों के मद्देनजर ऑक्सीजन की मांग 1800 मैट्रिक टन तक पहुंच गई थी। ऑक्सीजन की किल्लत दूर करने के लिए दूसरे राज्यों से ऑक्सीजन मंगाने पड़े पर इसमें अधिक समय लग रहा था। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना की तीसरी लहर आई तो महाराष्ट्र में ऑक्सीजन की मांग 3800 मैट्रिक टन प्रति दिन तक पहुंत जाएगी। क्योंकि आशंका है कि तीसरी लहर कोरोना की दूसरी लहर के मुकाबले डेढ़ गुना अधिक तीव्र होगी।

अभी राज्य में 32 उद्योगों द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन किया जा रहा है। कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका अभी भी बनी हुई है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने पिछले दिनों उद्योगों से ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ाने की अपील की थी। विदर्भ-मराठवाडा में 53 नए यूनिट फिलहाल पुणे व रायगड इलाके में ही ऑक्सीजन का ज्यादा उत्पादन हो रहा है।

पर इसे राज्य के दूसरे इलाकों में पहुंचाने में समय व पैसे खर्च करने पड़ते हैं। उद्योग विभाग के एक अधिकारी ने 'दैनिक भास्कर' को बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने राज्य के विदर्भ, मराठवाडा, धुले, नंदुरबार, रत्नागिरी जैसे इलाकों में ऑक्सीजन उत्पादन यूनिट शुरु करने पर जोर दिया है। नागपुर में 19, अमरावती में 11, औरंगाबाद व नांदेड में 23 ऑक्सीजन उत्पादन ईकाई शुरु करने के लिए आवेदन आए हैं। अधिकारी ने बताया कि ऑक्सीजन उत्पादन बढ़ाने के लिए उद्योग विभाग ने नए व पुराने उद्योगों को बिजली शुल्क माफी, ब्याज अनुदान, मुद्रांक शुल्क माफी जैसी सहुलियते दी हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों से राज्य में 116 कंपनियों ने ऑक्सीजन उत्पादन प्रोजेक्ट लगाने के लिए आवेदन किए हैं। इससे 1428 मैट्रिक टन ऑक्सीजन उत्पादन होगा। अधिकारी ने दावा किया कि इससे ऑक्सीजन के मामले में महाराष्ट्र आत्मनिर्भर हो सकेगा।

कचरा मुक्त व निरोगी गांव बनाने आगे आए सरपंच

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गांवों के सरपंचों से कहा है कि कोरोना महामारी के साथ ही कचरा मुक्त और निरोगी गांव बनाने के लिए एक मिशन के तहत आगे बढ़ाना चाहिए। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सवी वर्ष में राज्य के ग्राम पंचायतों के सरपंचों से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए संवाद साधा। उन्होंने सरपंचों को पानी और स्वच्छता पर संदेश देते हुए सरंपचों से हर घर नल योजना को सफलता पूर्वक लागू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष मनाते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि स्वच्छता ही अमृत है। व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वच्छता रखने की जरूरत है। अगर व्यक्तिगत स्वच्छता होगी तो बीमारी के लिए कोई जगह नहीं होगी। इसलिए स्वच्छता के माध्यम से अमृत हासिल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत गाडगे बाबा का स्वच्छता का संदेश पुराना नहीं हुआ है। प्रत्येक सरपंच यदि गाडगे बाबा बनेंगे तो गांवों की तस्वीर बदल जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में कोरोना की स्थिति से निपटने के लिए सरपंचों का प्रयास सराहनीय है। सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करने का नतीजा सभी के सामने है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरपंचों को लोग बड़े विश्वास से निर्वाचित करते हैं। उन्हें गांवों में रोजगार के निर्माण, छोटे- बड़े व्यवसाय शुरू करने और एक आदर्श गांव के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

ईडी तथा सीबीआई कार्रवाई करे हमारे पास भ्रष्ट भाजपा नेताओं की लिस्ट है- जयंत पाटील

अहमदनगर । हमारे पास भी भाजपा के भ्रष्ट नेताओं की सूची है,ईडी तथा सीबीआई को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। यह बात आज अहमदनगर जिले के दौरे पर आए महाराष्ट्र के जलसंधारण मंत्री तथा एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने कही। उन्होंने स्वराज्य संस्था चुनाव तथा पार्टी संगठन की समीक्षा की एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव लड़ने के लिए कड़ी मेहनत करने का निर्देश दिया। स्थानीय निकाय चुनावों तथा सरकार से कोंकण धरती पर पाथर्डी शेवगांव निर्वाचन क्षेत्र को हर संभव सहायता प्रदान करने का भी अनुरोध किया।

अधिकारियों ने नियुक्ति होने के बाद भी ग्रहण नहीं किया पदभार

नागपुर। शहर में दो सरकारी विभाग इन दिनों अधिकारियों के लिए तरस रहे हैं। यहां एक महीने पहले अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, लेकिन विभिन्न कारणों से अधिकारियों ने अभी तक पदभार नहीं संभाला है। इससे कार्यालय का कामकाज प्रभावित हो रहा है। सूत्रों की मानें, तो कई अधिकारी यहां पोस्टिंग होने से नाराज हैं, जिससे वे पदभार ग्रहण नहीं कर रहे हैं।

अन्न व औषधि विभाग : अन्न व औषधि विभाग में पहले से ही अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक की कमी है। ऐसे में नियुक्ति होने के बाद भी अधिकारी एक महीने से पद ग्रहण नहीं कर रहे हैं, जिससे लोगों के काम नहीं हो पा रहे हैं। इस विभाग पर कुल 52 लाख नागरिकों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी है, लेकिन एक भी अधिकारी नहीं है। सह आयुक्त का पदभार वर्धा से एक अधिकारी संभाल रहा है। उसके पास पहले से ही वर्धा का पदभार रहने से नागपुर को पूरा समय नहीं दे पाता है। इससे प्रति दिन होनेवाले वाले कामकाज से लेकर छापामार कार्रवाई तक प्रभावित हो रही है। त्योहारों के दिनों में भी सैंपलिंग से लेकर कई रूटीन के काम विभाग नहीं कर पा रहा है। आरटीओ विभाग : शहर आरटीओ का हाल भी कुछ ठीक नहीं है। कोरोना लॉकडाउन के बाद से यहां कामकाज बढ़ गया है। प्रतिदिन सैकड़ों लाइसेंस से लेकर विभिन्न कारणों से यहां वाहनधारकों का आना-जाना लगा रहता है। विभाग में न तो आरटीओ के पद पर अधिकारी है और न ही डिप्टी आरटीओ है। करीब एक महीने पहले डिप्टी आरटीओ के पद पर एक अधिकारी की नियुक्ति की गई है, लेकिन उसने अब तक पदभार नहीं संभाला है। सूत्रों की मानें, तो आनेवाले अधिकारी नागपुर में पहले भी काम कर चुके हैं, लेकिन अब वे नागपुर नहीं आना चाहते हैं।

पुलिस ने खोदकर निकाला जमीन में दफन सोना

मुंबई की कांदिवली पुलिस ने सोना चोरी की एक ऐसी गुत्थी को सुलझाया है। जिसमें आरोपियों ने मुंबई से सोना चोरी चुराया फिर गुजरात में ले जाकर जमीन के अंदर दफना दिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कांदिवली पश्चिम में एक दंपति अपने घर का रिपेयरिंग करने और पूरे घर में टाइल्स लगाने का काम 2 लोगों को देकर 16 सिंतबर से 22 सिंतबर तक दूसरी जगह रहने चले गए थे। वे गलती से घर में रखी तिजोरी की चाबी साथ ले जाना भूल गए। आरोपी 16 सितंबर से लेकर 22 सितंबर के बीच तिजोरी में रखें लाखों रुपयों का सोना चोरी कर गुजरात के एक गांव में ले जाकर जमीन के अंदर दफना दिया। फिर वापस मुंबई आकर घर का कामकाज करने लगे। घर का काम खत्म होते ही 22 तारीख को जब पीड़ित शंकर शीना पुजारी जब अपने घर को देखने के लिए आए। तब उन्होंने पाया कि कपाट से लाखों का सोना गायब है। पीड़ित ने इसकी शिकायत कांदिवली पुलिस स्टेशन में की। पुलिस ने जांच के दौरान घर में काम कर रहे एक मजदूर को पकड़ा और जब पूछताछ की तब उसने बताया कि सोना घर में काम रहे दोनों मजदूरों ने मिलकर चोरी की है और उसे गुजरात के एक गांव के अंदर जमीन में गाड़ दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही कांदिवली के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाबासाहेब सालुंखे के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक सूर्यकांत पवार और उनकी डिटेक्शन टीम ने आरोपियों को गुजरात ले जाकर जमीन के अंदर से सोना को बरामद किया है।

नए टेंडर तक-फिर से संभालनी पड़ सकती है कागज की आरसी बुक

नागपुर। वाहनों की आरसी के लिए स्मार्ट कार्ड बनाने वाली कंपनी से आरटीओ का करार 30 सितंबर की शाम को खत्म हो गया है। जब तक नया टेंडर जारी नहीं होता, तब तक वाहन मालिकों को कागज की आरसी संभालनी पड़ सकती है। हालांकि आरटीओ के अधिकारी अभी इस बारे में स्थानीय स्तर पर कोई जानकारी नहीं होने की बात कह रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नागपुर के तीनों आरटीओ में प्रतिदिन 1500 से ज्यादा स्मार्ट कार्ड बनाए जाते हैं।

वाहनों की होती है पहचान

किसी भी वाहन के लिए सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज उसकी आरसी बुक होती है। इसी के आधार पर किसी भी वाहन के मालिक को पहचाना जाता है। कुछ वर्ष पूर्व तक यह दस्तावेज कागज का होता था, जिसे सुरक्षित रखने में कई तरह की परेशानियां आती थीं। इन्हें ध्यान में रखते हुए पूरे राज्य में आरसी बुक को स्मार्ट कार्ड में तब्दील करने के लिए एक कंपनी से करार किया गया था।

अधिकारी मौन

राज्य में प्रतिदिन करीब 10 हजार आरसी के स्मार्ट कार्ड बनाए जाते हैं। नागपुर के तीनों आरटीओ में एक दिन में 1500 से ज्यादा स्मार्ट कार्ड बनाए जा रहे थे। सूत्रों की मानें तो 30 सितंबर तक ही स्मार्ट कार्ड बनाने वाली कंपनी के साथ करार था। इसकी अवधि गुरुवार की शाम तक नहीं बढ़ाई गई थी। आरटीओ आगामी दिनों में पुन: कागज की आरसी बुक जारी करेगा या नई कंपनी से करार होगा इस संबंध में अधिकारी अभी चुप्पी साधे हुए हैं।

कोई निर्देश अभी नहीं मिला है

अभी इस संदर्भ में कोई दिशा-निर्देश नहीं आए हैं। संबंधित कंपनी के पास स्मार्ट कार्ड का पेंडिंग काम है।

उसे पहले पूरा करना होगा। अचानक इसे बंद नहीं किया जा सकता है।

-एस. फासे, एआरटीओ, ग्रामीण आरटीओ नागपुर

यू-ट्यूब देखकर गर्भपात करने का मामला: आरोपी की रिमांड खत्म, जेल रवाना

नागपुर। यू-ट्यूब वीडियो देखकर यशोधरा नगर इलाके में खुद का गर्भपात करने वाली युवती के प्रेमी सोहेल खान को गिरफ्तार किया गया था। उसे सात दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। 30 सितंबर को रिमांड अवधि खत्म होने पर उसे न्यायालय में पेश किया गया। उसे न्यायिक हिरासत में सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। आरोपी के कहने पर युवती ने यू-ट्यूब देखकर खुद का गर्भपात किया था। पुलिस का दावा है कि, इस कार्य को युवती ने अकेले ही किया है। जानकारों का कहना है कि, एक युवती कितनी भी डेरिंगबाज हो, लेकिन वह अकेले खुद का गर्भपात कैसे कर सकती है। युवती ने घटना को तब अंजाम दिया था, जब उसके परिजन मुंबई गए थे। मुंबई से लौटने के बाद परिजनों को डागा अस्पताल का कार्ड मिलने पर मामला उजागर हुआ था।

आतंकवाद मामला-महाराष्ट्र एटीएस ने एक और संदिग्ध को गिरफ्तार किया

मुंबई, महाराष्ट्र पुलिस के आंतकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में एक और संदिग्ध को गिरफ्तार किया है।

यह जानकारी बृहस्पतिवार को एक पुलिस अधिकारी ने दी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने हाल में छह लोगों को गिरफ्तार करने के साथ पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था जिसके बाद महाराष्ट्र एटीएस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में गैर कानूनी गतिविधि अधिनियम (यूएपीए) की धारा-18 के तहत दर्ज मामले में महाराष्ट्र से एटीएस द्वारा की गई यह तीसरी गिरफ्तारी है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की पहचान मुंबई के बांद्रा इलाके के खेरवाड़ी निवासी इरफान रहमत अली शेख के तौर पर की गई है जो दर्जी का काम करता है और उसे बुधवार की रात गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि उसके पास सें अपराध में संलिप्तता का संकेत करने वाले कुछ दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि इरफान का नाम इस महीने की शुरुआत में एटीएस द्वारा हिरासत में लिए गए जाकिर हुसैन शेख और रिजवान मोमिन से हुई पूछताछ के दौरान सामने आया।

पाकिस्तान समर्थित आंतकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल द्वारा छह संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ आंतकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के बाद महाराष्ट्र एटीएस ने यूएपीए के तहत इनके खिलाफ मामला दर्ज किया जो कथित तौर पर देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी हमले की योजना बना रहे थे।

मामले में गिरफ्तार छह संदिग्धों में एक जान मोहम्मद शेख मुंबई के धारावी का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान एटीएस ने भारत के बाहर रह रहे एंटनी उर्फ अनवर उर्फ अनस और मुंबई के जोगेश्वरी निवासी जाकिर हुसैन शेख के खिलाफ अलग से मामला दर्ज किया।

ऑटोरिक्शा ने मोबाइल चोर को पहुंचाया हवालात

दिंडोशी इलाके में पिछले सप्ताह हुई लाखों के मोबाइल चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए मुंबई पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में चौकाने वाली बात यह है कि इस वारदात के मास्टरमाइंड ने चोरी को अंजाम देने के बाद अपनी पहचान छुपाने और पुलिस से चकमा देने के लिए बाकायदा अपनी दाढ़ी को क्लीन शेव करा दिया था। लेकिन चोरी के इस्तेमाल किए गए ऑटोरिक्शा ने उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 22 सिंतबर की सुबह सतीश कुमार नामक शख्स ने जानकारी दी कि गोकुलधाम इलाके में स्थित उसकी दुकान से लाखों रुपये के मोबाइल चोरी हो गए हैं। इस जानकारी के मिलने के बाद जांच शुरू की तो पाया कि चोर दुकान में लगे सीसीटिवी डीवीआर भी उठा ले गए हैं। इसके बाद पुलिस ने सड़क पर लगे 50-60 कैमरों को खंगाला तो उसमें एक ऑटोरिक्शा और बुलेट साथ-साथ जाते कई जगहों पर नजर आए। ऑटो का नंबर आधा ही नजर आ रहा था लेकिन शक के आधार पर जब उस ऑटोरिक्शा के मालिक का पता चला तो पूरी वारदात का पर्दाफाश हो गया। ऑटोरिक्शा मालिक से मिली जानकारी और मोबाइल लोकेशन के आधार पर मुख्य आरोपी महेंद्र कुमार तक पहुँच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर बाकी के 3 आरोपियों मयूर खैरे, रमेश पोरवाल और सोनू को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उनके पास 167 मोबाइल,जिसकी कीमत 35 लाख के करीब है,उसे भी बरामद कर लिया गया है।

डॉक्टर ने डॉक्टर के साथ की 25 लाख की धोखाधड़ी

नागपुर। एक डॉक्टर से 25 लाख रुपए उधार लेने के बाद पैसे वापस करने में टालमटोल करने वाले वीनस अस्पताल के डॉक्टर राजेश तुलसीराम बघे (48) के खिलाफ पांचपावली पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। यह मामला डॉ. महेश गंगाराम कृपलानी (64) की शिकायत पर दर्ज किया गया है। एक साल पहले दिए थे उधार प्लॉट नं.-14 आराधना अपार्टमेंट, तिड़के विद्यालय के सामने काटोल रोड निवासी डॉ. महेश कृपलानी ने पुलिस को बताया कि, वह डाक्टर बघे को पहचानते हैं। 16 अप्रैल 2020 को उन्होंने आरोपी राजेश बघे, निवासी प्रियदर्शनी का ॅलोनी, म्हाड़ा, सिविल लाइंस निवासी को वीनस अस्पताल में नकद 25 लाख रुपए उधार दिए थे। एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी डॉ. बघे ने पैसे वापस नहीं किए। पैसे की मांग करने पर वह टालमटोल रवैया अपनाते रहे। जिसके चलते डॉ. कृपलानी ने डॉ. बघे के खिलाफ पांचपावली थाने में शिकायत की। उपनिरीक्षक भार्गव ने आरोपी डॉ. राजेश बघे पर धारा 420, 406 के तहत मामला दर्ज किया है।

चीन के बाद अब मुंबई पर भी गहराया बिजली संकट, कोयले से बनती है 95 फीसदी इलेक्ट्रिसिटी

मुंबई, चीन के पूर्वोत्तर इलाके फ़िलहाल बिजली संकट से जूझ रहे हैं। कई कंपनियों का प्रोडक्शन रुक चुका है और कई कंपनियां इस कगार पर पहुंचने वाली हैं। ना सिर्फ कंपनियां, बल्कि इन इलाकों में रहने वाले आम नागरिकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। अब देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी कुछ ऐसे ही हालात बनते हुए नज़र आ रहे हैं। कोयले की कमी से महाराष्ट्र और मुंबई पर ऊर्जा संकट के काले बादल मंडराने लगे हैं। घाटे में चल रही महाराष्ट्र की सरकारी बिजली कंपनी के पास हज़ारों करोड़ की बकाया राशि चुकाने के भी पैसे नहीं हैं। ऐसे में राज्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ग्रीन हाउस गैस मुंबई समेत देश को एयर पॉल्यूशन से मुक्ति और लोगों को रोजगार दिलाने के लिए क्लीन एनर्जी का विकल्प मौजूदा समय में घातक साबित हो सकता है। महाराष्ट्र की कोशिश है कि साल 2025 तक रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेस के जरिये 25 प्रतिशत बिजली को तैयार किया जाए। शहर में क्लाइमेट एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेस को तैयार किया जा सके। आपको बता दें कि शहर में बिजली की ज्यादा खपत होने से ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन भी काफी ज्यादा होता है। दरअसल मुंबई की 95 प्रतिशत बिजली कोयले से बनती है। जिसका सीधा कनेक्शन ग्रीन हाउस गैस से होता है। मुंबई में सीमा के पार पॉल्यूशन वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन द्वारा जारी गाइडलाइन को पीछे छोड़ते हुए मुंबई शहर में वायु प्रदुषण का स्तर तीन गुना ज्यादा है। साल 2030 तक कोयले की खपत में 28 फीसदी का इजाफा होने की उम्मीद है। जिसकी वजह से मुंबई और अन्य शहरों में लोगों के स्वास्थ्य, वायु की गुणवत्ता और क्लाइमेट पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कोल प्लांट के प्रदूषण की वजह से मुंबई में असमय मृत्यु का आंकड़ा भी 35 फीसदी तक बढ़ेगा। क्लीन एनर्जी के फायदे जानकार बताते हैं कि कोयले की जगह क्लीन एनर्जी में निवेश उद्योग और मजदूरों के लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा। मुंबई में क्लीन एनर्जी (रिन्यूएबल एनर्जी) भी तकरीबन ढाई लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा और पर्यावरण को भी फायदा होगा। यह रोजगार क्लीन एनर्जी स्टेशन लगाने, रख रखाव और ऑपरेशन के जरिये निर्मित होंगे। क्या है क्लीन एनर्जी ? क्लीन एनर्जी को हम रिन्यूएबल एनर्जी के नाम से भी जानते है।

बेटी से झगड़ा करने वाले दामाद की धुनाई, ससुर ने किया घायल

नागपुर। इमामवाड़ा इलाके में बेटी से झगड़ा करने वाले दामाद को ससुर ने पत्थर मारकर जख्मी कर दिया। घायल दामाद सौरभ उर्फ बेसन सुरेश मसराम (22) की शिकायत पर इमामवाडा पुलिस ने पत्नी खुशी मसराम (20) और ससुर बबलू चांदेवार (40) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार जाटतरोड़ी, रेल पटरी के बगल में इमामवाड़ा निवासी सौरभ मसराम ने पुलिस को बताया कि, गत 29 सितंबर को उसका पत्नी के साथ घरेलू कलह के चलते विवाद हो गया। यह बात ससुर को पता चलने पर ससुर ने पत्थर फेंककर मारा जिससे उसका दाहिना पैर जख्मी हो गया।

पति के खिलाफ भी एफआईआर हुई

उधर खुशी मसराम ने पति सौरभ के खिलाफ शिकायत की है। खुशी ने पुलिस को बताया कि, उसका पति उसके साथ मारपीट करता है। घटना के दिन सौरभ ने उसके साथ मारपीट की। यह बात पिता बबलू को पता चलने पर वह समझाने आए, तो सौरभ ने उसे और उसके पिता को पत्थर से मारा। पुलिस ने सौरभ मसराम पर मामला दर्ज किया है।

बड़ी कामयाबी-इन दवाओं के संयोजन से कम हो सकती है कोरोना संक्रमण की गंभीरता, वैज्ञानिकों का दावा

हिरल शाह

कोरोनावायरस संक्रमण से सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक प्रभावी वैक्सीन और दवाइयों के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत हैं। कुछ दवाइयों पर किए गए अध्ययनों में संक्रमण की रोकथाम के अच्छे संकेत भी मिले हैं। इस बीच कोरोना से बचाव के लिए दवाइयों के निर्माण में लगी वैज्ञानिकों की एक टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। अध्ययनकर्ताओं ने कोरोनावायरस संक्रमण के खिलाफ नए दवाओं के संयोजन के असरदार साबित होने का दावा किया है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि दो एंटीवायरल ड्रग्स नेफामोस्टैट और पेगासिस के संयोजन से सार्स-सीओवी-2 वायरस से होने वाले संक्रमण को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे कोविड-19 के खतरे को कम किया जा सकता है।अध्ययन से प्राप्त परिणाम के आधार पर वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना के रोगियों को अगर समय रहते उचित मात्रा में इन दवाओं का संयोजन दिया जाए तो बीमारी को गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है। यह दवाएं शरीर में कोरोना संक्रमण को बढ़ने से रोकने में कारगर साबित हुई हैं। आइए आगे की स्लाइडों में इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

दवाओं के संयोजन के दिखे अच्छे परिणामजर्नल वाइरस में प्रकाशित प्रारंभिक परीक्षण के परिणाम में पाया गया कि एंटीवायरल ड्रग्स नेफामोस्टैट और पेगासिस कोरोना संक्रमण की गंभीरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनटीएनयू) के प्रोफेसर डेनिस कैनोव ने कहते हैं, अध्ययन में इन दवाओं के संयोजन

के इस्तेमाल के अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। इन दवाओं का प्रभाविकता और असर को जानने के लिए सेल कल्चर और हैम्स्टर्स में अध्ययन किए गए हैं। इस आधार पर वैज्ञानिकों का कहना है कि यह संयोजन मनुष्यों पर कितना असरदार होगा, इस बारे में स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है, हालांकि इससे कोरोना की प्रभावी दवा बनाने की दिशा में एक रास्ता जरूर साफ होता है। वायरल प्रतिकृति रोक देगी यह दवाएनटीएनयू के प्रोफेसर मैग्नर बोजोरस बताते हैं, अध्ययन में पाया कि नेफामोस्टैट और पेगासिस, दोनों दवाएं शरीर में वायरल प्रतिकृति को बनाने से रोकने में मदद कर सकती हैं।

यह दवाएं कोशिकाओं में TMPRSS2 नामक एक कारक पर हमला करती हैं, जो वायरस को बढ़ाने में सहायक हो मानी जाती है। इस तरह से संक्रमण के बाद वायरल लोड को इन दवाओं से आसानी से कम किया जा सकेगा।इस अध्ययन के परिणाम को इसलिए भी ज्यादा खास माना जा रहा है क्योंकि कोरोना संक्रमण में नेफामोस्टैट दवा के प्रभाव को जानने के लिए वैज्ञानिकों की एक टीम पहले से ही अध्ययन कर रही थी। फिलहाल इस दवा को कोविड-19 रोगियों में मोनोथेरेपी के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है, वहीं जापान सहित कई अन्य देशों में इस दवा के प्रभाव को जानने के लिए शोध जारी हैं। दवा के डोज को ध्यान में रखना महत्वपूर्णअध्ययन के बारे में एनटीएनयू के डॉक्टरेट रिसर्च फेलो अलेक्सांद्र इनेव्स्की कहते हैं, इन दवाओं की मात्रा को ध्यान में रखना बहुत आवश्यक होगा। फिलहाल जो परिणाम सामने आए हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि रोगियों के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त करने और किसी प्रकार के जोखिम से बचे रहने के लिए दवा के संयोजन की लो डोज ज्यादा असरदार हो सकती है। अगर उचित मात्रा में इन दवाओं के संयोजन को प्रयोग में लाया जाए तो इससे कोरोना संक्रमित की जान बचाई जा सकती है। इनेव्स्की कहते हैं नेफामोस्टैट अपेक्षाकृत सस्ती दवा है, जबकि पेगासिस का नकारात्मक पक्ष इसकी उच्च लागत है। क्या कहते हैं शोधकर्ता?अध्ययन के लेखकों का कहना है कि कोरोना वायरस के नए वैरिएंट्स तेजी से बढ़ रहे हैं, कई वैरिएंट्स टीके/प्रतिरक्षा को आसानी से चकमा देने में सफल भी हो जा रहे हैं। ऐसे में हमें कोरोना संक्रमण के खतरे से लोगों को बचाने के लिए अधिक प्रभावी उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अध्ययन से प्राप्त परिणाम मौजूदा महामारी और भविष्य में कोरोनावायरस के प्रकोप के लिए एक सक्रिय समाधान प्रदान कर सकता है, जिसकी दुनिया के कई हिस्सों में तत्काल आवश्यकता है। इन दवाओं के संयोजन और इनकी डोज का ध्यान रखना बहुत आवश्यक होगा।

खून की कमी हो या हृदय रोगों की हो समस्या, चुकंदर खाने से महीनेभर में दिखने लगेगा लाभ

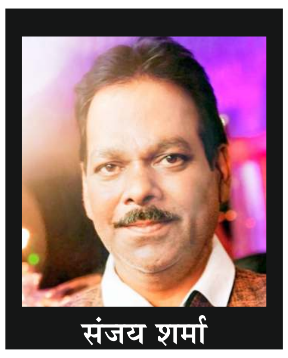
संजय शर्मा

जीवनशैली में गड़बड़ी और भोजन में पौष्टिकता की कमी के चलते मौजूदा समय में लोग तेजी से गंभीर बीमारियों के शिकार होते जा रहे हैं। यही कारण है कि जिन बीमारियों को एक दशक पहले तक उम्र बढ़ने के साथ जोड़कर देखा जाता था, अब कम आयु के लोग भी उनके शिकार होते जा रहे हैं। ब्लड प्रेशर, एनीमिया, हृदय रोग, डायबिटीज ऐसे ही उदाहरण हैं, जिनका युवा आयुवर्ग के लोग तेजी से शिकार हो रहे हैं। क्या आप भी ऐसी ही किसी बीमारी से परेशान हैं?स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो अगर खान-पान में पौष्टिक चीजों को शामिल करने के साथ जीवनशैली में सुधार कर लिया जाए तो ऐसी कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से सुरक्षित रहा जा सकता है। चुकंदर ऐसा ही सलाद के रूप में प्रयोग में लाया जाने वाला सब्जी है जिसका सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। तमाम अध्ययनों से पता चलता है कि रोजाना चुकंदर का सेवन करने वाले लोगों में कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा काफी कम होता है। आइए आगे की स्लाइडों में चुकंदर खाने से होने वाले ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में जानते हैं। ब्लड प्रेशर को रखता है नियंत्रितचुकंदर का सेवन आपके रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग रोजाना 250 मिलीलीटर चुकंदर का रस पीते हैं, उनका सिस्टोलिक और डायस्टोलिक दोनों रक्तचाप नियंत्रित रहता है। चुकंदर के रस में

नाइट्रेट नामक यौगिक पाया जाता है जो रक्त में नाइट्रिक ऑक्साइड में परिवर्तित हो जाता हैं, यह रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करने और रक्त प्रवाह को आसान बनाने में मदद करता है, जिससे ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर कम होने से हृदय रोगों का खतरा भी कम हो जाता है। पोटेशियम का अच्छा स्रोत है चुकंदरचुकंदर में पोटेशियम का मात्रा अच्छी पाई जाती है। पोटेशियम, नसों और मांसपेशियों को ठीक से काम करने में मदद करता है। सीमित मात्रा में चुकंदर का रस पीने से पोटेशियम के स्तर को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है। डॉक्टरों के मुताबिक यदि शरीर में पोटेशियम का स्तर बहुत कम हो जाता है, तो थकान, कमजोरी और मांसपेशियों में ऐंठन हो सकती है। वहीं पोटेशियम की बहुत कम मात्रा कई बार जानलेवा भी साबित हो सकती है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में सहायक है चुकंदरहाई-कोलेस्ट्रॉल की समस्या से परेशान लोगों को लिए आहार में चुकंदर के रस को शामिल करना काफी फायदेमंद हो सकता है। साल 2011 में चूहों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि चुकंदर का अर्क कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने के साथ गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में सहायक है। इसके अलावा यह लिवर पर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को भी कम करता है।शोधकर्ताओं का मानना है कि चुकंदर में फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे फ्लेवोनोइड्स की मात्रा पाई जाती है जो इसे कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए कारगर बनाती है। खून की कमी को दूर करने में कारगर है चुकंदरचुकंदर में आयरन, मिनरल्स और कई तरह के विटामिन्स पाए जाते हैं। एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए इसका सेवन चमत्कारी लाभ दे सकता है। चुकंदर के रस को आयरन और विटामिन-सी का उत्कृष्ट स्रोत माना जाता है जो एनीमिया रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा चुकंदर में विटामिन बी-6 और फोलेट की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में खून को बढ़ाने में काफी सहायक मानी जाती है।

अब लोहे के भारी-भरकम सिलेंडर से मिलेगी मुक्ति, लॉन्च हो चुका है यह खास सिलेंडर, जानिए फायदे

दुनिया पहले के मुकाबले अब काफी आगे निकल चुकी है। एक समय था जब महिलाएं चूल्हे में लकड़ी डाल-डालकर और फूंकें मार-मारकर खाना बनाती थीं, लेकिन पिछले कुछ सालों में उन चूल्हों और लकड़ियों की जगह गैस चूल्हों और गैस सिलेंडरों ने ले ली है, जिससे खाना बनाना अब बेहद ही सुविधाजनक हो गया है। हालांकि अब कहा जा रहा है कि भारी-भरकम गैस सिलेंडरों से भी बहुत जल्द मुक्ति मिलने वाली है। दरअसल, फाइबर ग्लास कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर लॉन्च हो चुका है। इसकी सबसे खास बात ये है कि इसका वजन लोहे के सिलेंडरों के मुकाबले बहुत ही कम होगा और ग्राहकों को यह सिलेंडर कम दाम पर भी उपलब्ध करवाया जाएगा। आप चाहें तो पुराने गैस सिलेंडर से भी इसे बदल सकते हैं। फाइबर ग्लास से बने इस सिलेंडर को अधिक सुरक्षित माना जा रहा है। कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर की खासियतफाइबर ग्लास कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर के वजन की अगर बात करें तो यह यह लोहे के सिलेंडर से 50 फीसदी कम वजनदार होगा। इसके अलावा यह सिलेंडर पूरी तरह से पारदर्शी होगा, जिससे आप आसानी से देख सकेंगे कि सिलेंडर में कितनी गैस बची है। इसमें अलग-अलग रंग के सिलेंडर आपको मिल जाएंगे। लोहे के सिलेंडर जहां गैस के साथ 30-31 किलोग्राम के होते हैं, वहीं नया कंपोजिट सिलेंडर का वजन गैस के साथ महज 16 किलोग्राम ही होगा, यानी महिलाएं भी ऐसे सिलेंडर को आसानी से उठा सकेंगी। और सबसे खास बात कि यह सिलेंडर पूरी तरह से जंग प्रतिरोधी होगा।

इन बीमारियों में जबरदस्त फायदा देता है खीरा, रोजाना ऐसे करें सेवन

एक हेल्दी खानपान हमारी सेहत के लिए बेहद जरूरी है, ताकि हम बीमारियों से दूर रह सके। वहीं, लोग खाने के साथ सलाद का भी काफी सेवन करते हैं। वैसे तो सलाद लोगों के खाने का स्वाद बढ़ाने का काम करता है, लेकिन हम इस बात से बिल्कुल इंकार नहीं कर सकते हैं कि सलाद हमारी सेहत को काफी ज्यादा फायदे पहुंचाने का काम भी करता है।

अमूमन हम सलाद में टमाटर, प्याज, चुकंदर और खीरा खाते हैं और ये सभी हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। लेकिन कई लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सलाद खाना पसंद नहीं होता या वो इसका बिल्कुल कम सेवन करते हैं। तो हम ऐसे लोगों को ये बताते चलें कि सलाद और खासतौर पर खीरा खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए जानते हैं खीरे के बारे में कि ये हमारे शरीर को किन बीमारियों में फायदा देने का काम करता है। डायबिटीज में लाभकारीखीरा खाने से ये डायबिटीज वाले मरीजों के ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है। दरअसल, खीरा शुगर मरीज के रक्त में मौजूद शर्करा को सोखता तो है ही, साथ ही ये शर्करा के पाचन को भी धीमा करने में मदद करता है। जोड़ों के दर्द में लाभकारीअमूमन देखा जाता है कि घर में बुजुर्ग ही नहीं बल्कि नौजवान भी जोड़ों के दर्द से परेशान होते हैं। ऐसे में खीरा आपकी मदद कर सकता है। आपको करना ये है कि खीरे और गाजर के जूस को मिलाकर इसका रोजाना सेवन करना है। खीरे में मौजूद सीलिशिया आपको जोड़ों के दर्द में आराम देने का काम करता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेषः यह सप्ताह आधा सितंबर में और आधा अक्टूबर में है। अक्टूबर के तीन दिन आपके जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाले हैं। किसी नई योजना पर काम प्रारंभ करेंगे। संबंधों का भरपूर लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। संयम और सादगी से लोगों को अपनी अनुकूल कर लेंगे। किसी विशेष प्रयोजन से यात्राएं होंगी।

वृषभः परेशानियों का अंत होने का समय आ गया है। सप्ताह का प्रारंभ ही किसी शुभ समाचार से होगा। पुराने सप्ताहों में की गई मेहनत का फल अब मिलने का समय आ गया है। किसी परिचित की मदद से बड़ी योजनाओं को साकार करेंगे। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। आर्थिक दृष्टि से लाभ की स्थिति में रहेंगे।

मिथुन : आपके जीवन का महत्वपूर्ण सप्ताह है। बड़ी परियोजनाएं साकार होंगी। रूके काम पूरे होंगे। धर्म, कर्म, अध्यात्म की ओर अग्रसर होंगे। आर्थिक दृष्टि से समृद्ध बनेंगे। किसी विशेष कार्य से यात्राएं करनी होंगी। यंग प्रोफेशनल्स को बड़े जॉब ऑफर हो सकते हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा।

कर्क : सप्ताह अनुकूल रहेगा। नया काम प्रारंभ करने का सही समय है। कार्य में बदलाव करने का भी यही समय है लेकिन अपनी कार्यशैली में थोड़ा बदलाव लाना होगा। किसी से अनावश्यक विवाद टालें। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आर्थिक समस्याओं का निदान होगा। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंग।

सिंह : तनावमुक्त सप्ताह रहेगा। पिछले सप्ताहों से चली आ रही परेशानियां समाप्त होंगी। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। किसी धर्म स्थल की यात्रा करने का योग है। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा प्राप्त रहेगी। आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी। पैसों के कारण कोई काम अटकेगा नहीं। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है।

कन्या : मानसिक और शारीरिक परेशानियां कम होंगी। परिवार में महत्व मिलेगा और आपके निर्णय को सराहा जाएगा। निजी संबंधों का लाभ प्रोफेशनल लाइफ में मिलेगा। नए स्टार्टअप के लिए वक्त बेहतर है। कोशिश करें किकिसी का दिल न दुखाएं। आर्थिक लाभ का समय है। निवेश से लाभ प्राप्त होगा। ¬

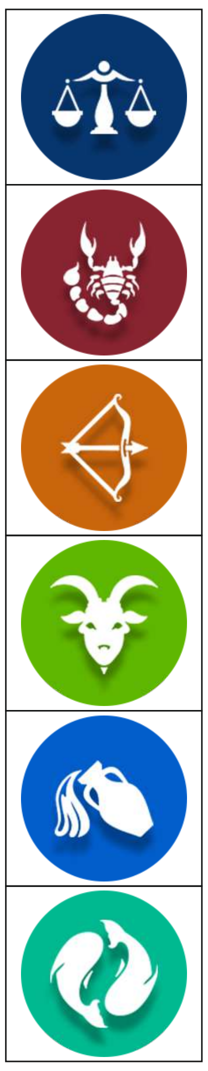

तुला : पैसों का आगमन भरपूर होगा। नया भवन या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा लोगा बदलाव कर सकते हैं। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद लाभ की स्थिति में रहेंगे। किसी प्रकार का तनाव न लें। सारे कार्य समय पर पूरे होंगे। परिवार के साथ सुखद यात्रा पर जाने का योग बनेगा। अनावश्यक विवाद में न पड़े।

वृश्चिक : इस सप्ताह आपको निजी संबंधों का भरपूर लाभ उठाने का मौका मिलेगा। इसके जरिए आप बड़ी योजनाओं को साकार करने में सफल हो सकते हैं। नौकरीपेशा को स्थानांतरण हो सकता है। बिजनेस में कोई नया काम जुड़ सकता है। पुराने मित्रों से भेंट होगी। परिवार में सामंजस्य रहेगा। जीवनसाथी से मनमुटाव दूर होगा।

धनु : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह पूर्ण शुभ है। अटके हुए काम पूरे हो जाएंगे। कई माध्यमों से पैसा आएगा जिसका समुचित निवेश करके भविष्य को सुरक्षित बना पाएंगे। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से थोड़ा विवाद हो सकता है। नौकरी में बदलाव करना चाहें तो कर सकते हैं। बिजनेस में लाभ होगा। नई संपत्ति खरीदने की योजना बनेगी।

मकर : कार्यो को टालने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी, वरना लोग आपसे दूर हो जाएंगे। मन को शांत रखते हुए कोई भी निर्णय लें। जल्दबाजी में किए गए कार्य हानि पहुंचाएंगे। पारिवारिक, सामाजिक जीवन में सम्मान बढ़ेगा। अपनी सारी जरूरतों को पूरी करने में कामयाब होंगे। आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। मित्रों के सहयोग से कोई नया काम प्रारंभ करेंगे।

कुंभ : मौके का लाभ उठाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में बदलाव के साथ तरक्की भी मिलेगी। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। मित्रों, परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। पैसों की कमी दूर होगी और एक से अधिक माध्यमों से पैसा अर्जित करेंगे। नया काम प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है।

मीन : मन को प्रसन्न रखने का पूरा प्रयास करें। जरा-जरा सी बातों पर क्रोध न करें। समय अनुकूल है इसलिए इसका भरपूर लाभ उठाने का प्रयास करें। नए प्रेम संबंध बनने वाले हैं। दांपत्य जीवन भी सुखद रहेगा। नए कार्य शुरू कर सकते हैं। नौकरी में बदलाव करना चाहें तो जरूर करें। कुछ समय धर्म अध्यात्म के कार्यों में लगाएं।

चुटकुले

गर्लफ्रेंड- कब से तुमसे पूछ रही हूँ कि, तुम्हारी लाइफ की सबसे बड़ी प्रॉब्लम क्या है?
बॉयफ्रेंड एकदम शांत था
गर्लफ्रेंड ने बोला- तुम तो बस मुझे ही देखे जा रहे हो.. कुछ बोल क्यों नहीं रहे

पिंकी: मैं एक ऐसे लड़के से शादी करूंगी जिसका कारोबार ऊंचा हो।
बंटी: तो फिर मुझसे कर लो, मेरी पहाड़ों पर चाय की दुकान है।

सोनू ने मोनू से कहा- यार कुछ लड़को के पास दिमाग नहीं होता
मोनू- ऐसा क्यों बोल रहा है भाई?
सोनू- अरे वो जेंट्स टॉयलेट में लड़की के नाम के साथ लिख कर आते है
मैं तुमसे प्यार करता हूं!
मोनू- तो क्या हुआ?
सोनू- भाई ये बता क्या लड़की जेंट्स टॉयलेट पढ़ने जाती है!

आरईईटी की परीक्षा देने जा रहे 6 छात्रों की सड़क दुर्घटना में मौत

जयपुर। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (आरईईटी) परीक्षा के छह उम्मीदवारों की शनिवार को एनएच-12 पर एक ट्रक से टक्कर के बाद सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जयपुर जिले के चाकसू के पास हुई टक्कर में पांच अन्य घायल हो गए। जो परीक्षा केंद्र की ओर जा रहे थे। मृतक बारां जिले के रहने वाले थे। और आरईईटी परीक्षा देने के लिए सीकर जा रहे थे। घायलों की हालत गंभीर है और उनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जबकि दो को चाकसू स्थित सैटेलाइट अस्पताल, अन्य दो को महात्मा गांधी अस्पताल और एक को जयपुर के अस्पताल में रेफर किया गया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शोक व्यक्त किया और सभी मृतक पीड़ितों के परिवार के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

हत्या के मामले में शख्स को मौत की सजा

लखनऊ। लखनऊ की एक पोक्सो अदालत ने अपनी पांच महीने की चचेरी बहन से बेरहमी से दुष्कर्म करने और उसकी हत्या करने के मामले में एक व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। न्यायाधीश अरविंद मिश्रा ने कहा कि उच्च न्यायालय से मौत की सजा की पुष्टि के बाद दोषी को फांसी की सजा दी जाए। न्यायाधीश ने गुरुवार को दोषी पर 70,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिसकी पहचान प्रेम चंद्र उर्फ पप्पू दीक्षित के रूप में हुई, जो एक बच्चे का पिता भी है। जज ने कहा कि जुर्माने की राशि नाबालिग पीड़िता के पिता को दी जाए। इससे पहले जज ने दोषी को मौत की सजा से कम की कोई सजा देने से इनकार कर दिया था। न्यायाधीश ने कहा, मामला दुर्लभतम श्रेणी में आता है और दोषी के लिए मौत की सजा से कम कुछ भी नहीं है, जिसने न केवल पांच महीने और 13 दिन की बच्ची से दुष्कर्म किया बल्कि उसकी हत्या भी की। जज ने अपने फैसले में निर्भया और हैदराबाद के मामलों का भी हवाला दिया और कहा कि उन मामलों में पीड़िता बड़ी थी तब भी दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। हालांकि, इस मामले में पीड़िता नाबालिग है और मृतक की करीबी रिश्तेदार भी है और इसलिए दया की कोई गुंजाइश नहीं है। न्यायाधीश ने कहा, यहां तक कि जानवर भी ऐसा काम नहीं करेंगे जैसा कि दोषी ने नाबालिग पीड़ित के साथ किया।

लड़की को बहला-फुसलाकर पति के साथ दुष्कर्म करवाने वाली महिला गिरफ्तार

लखनऊ। यूपी के लखनऊ से एक चौकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला को 19 वर्षीय लड़की को घर में फुसला कर लाने, बंधक बनाने और पति को उसके साथ दुष्कर्म करने की अनुमति देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। लड़की को पीटा भी गया और उसकी जीभ काट दी गई ताकि वह घटना का खुलासा न कर सके। पुलिस रिपोर्ट्स के मुताबिक, 40 वर्षीय आरोपी महिला पहले लड़की को गाजीपुर थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर स्थित अपने घर में फुसला कर ले गई, जहां उसने उसे बांध दिया जिसके बाद उसके 45 वर्षीय पति ने सात दिनों में कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

कोरोना से बच्चों को बचाने आयुर्वेद संस्थान ने बनाई 'बाल रक्षा किट'

नई दिल्ली। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने विशेष रूप से बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए 'बाल रक्षा किट' बनाई है। ये 'बाल रक्षा किट' बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है और इसके इस्तेमाल से बच्चों को संक्रमण के माहौल में भी सुरक्षित रखा जा सकता है। एआईआईए की निदेशक डॉ तनुजा नेसारी ने बताया कि बच्चों को काढ़ा और अन्य दवाइयां लेने में समस्या होती है, इसलिए 'बाल रक्षा किट' बनाई गई है। इस किट में एक सिरप भी है, जिसके इस्तेमाल से बच्चों को तीसरी लहर के खतरे से बचाने में बहुत मदद मिल सकती है। ये सभी दवाएं उत्तराखंड में स्थित इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्यूटिकल कॉर्पोरेशन के संयंत्र में निर्मित की गई है। इस सिरप को तैयार करने में तुलसी, गिलोय, दालचीनी, मुलेठी, मुनक्का जैसी औषधियों का प्रयोग किया गया है। साथ ही इस किट में अणु तेल, सितोपलादि, च्यवनप्राश भी है जिसके नियमित सेवन से बच्चों की इम्यूनिटी बढ़ जाती है। बता दें कि भारत में अभी बच्चों के लिए कोई भी वैक्सीन नहीं आई है। ऐसे में ये किट बच्चों की सेहत के मद्देनजर अहम साबित हो सकती है। बाल रक्षा किट 16 साल की उम्र तक के बच्चों को दी जाएगी। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के मौके पर 2 नवंबर को दिल्ली के 10 हजार बच्चों को इसे मुफ्त बांटा जाएगा।

नागपुर में 16 माह बाद कोरोना का एक भी मरीज नहीं मिला

नागपुर। शहर को करीब 16 माह बाद बुधवार को खुशी मिली है। 4394 सैंपलों की जांच में जिले में एक भी पॉजिटिव मरीज नहीं मिला है, हालांकि विशेषज्ञों ने तीसरी लहर को लेकर चेतावनी दी है, लेकिन नागपुर जिला कोरोनामुक्त होने की ओर बढ़ रहा है। 16 मई 2020 के बाद यह पहली बार है, जब जिले में या जिले के बाहर का एक भी संक्रमित नहीं मिला है। इसके साथ ही मौत का आंकड़ा भी पिछले दिनों की तरह शून्य रहा। 12 अप्रैल को सबसे अधिक 7999 मरीज थे नागपुर जिले में सबसे पहला कोरोना संक्रमित मरीज 11 मार्च 2020 में मिला था। इसके बाद धीरे-धीरे कुछ मरीज मिलते रहे। इसके बाद 17 मई से प्रतिदिन संक्रमित सामने आते गए और यह आंकड़ा बढ़ता गया। अंतिम बार 16 मई 2020 यानी 16 माह बाद जिले में एक भी संक्रमित नहीं मिला। इस बीच काफी उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। 22 अगस्त से 21 सितंबर तक पहली लहर आई। इस दौरान सबसे अधिक 13 सितंबर को 2343 मरीज मिले थे। 2021 मार्च-अप्रैल में कोरोना की दूसरी लहर आई, जिसमें 12 अप्रैल को अब तक के सबसे अधिक 7999 मरीज सामने आए थे।

रिपोर्ट में दावा- टाटा ने लगाई सबसे ऊंची बोली, सरकार ने कहा- अभी फैसला होना बाकी

निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DIPAM) ने सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया विनिवेश मामले में कहा है कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय बोलियों के अनुमोदन का संकेत देने वाली मीडिया रिपोर्ट गलत हैं। सरकार के निर्णय के बारे में मीडिया को सूचित किया जाएगा। आज कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि टाटा संस ने घाटे में चल रही सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के लिए बोली जीत ली है और अब टाटा ग्रुप एयर इंडिया का नया मालिक होगा।रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मंत्रियों के एक पैनल ने एयरलाइन के अधिग्रहण के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। आने वाले दिनों में एक आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है। लेकिन सरकार ने कहा है कि अभी फैसला होना बाकी है।1932 में टाटा एयरलाइंस के नाम से हुई थी शुरुआतअगर टाटा के साथ सरकार का सौदा पक्का होता है तो विमानन कंपनी की 68 साल बाद 'घर वापसी' होगी। टाटा समूह ने अक्टूबर 1932 में टाटा एयरलाइंस के नाम से एयर इंडिया की शुरुआत की थी। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद एक राष्ट्रीय एयरलाइंस की जरूरत महसूस हुई। ऐसे में भारत सरकार ने एयर इंडिया में 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया। इसके बाद 1953 में भारत

सरकार ने एयर कॉर्पोरेशन एक्ट पास किया और फिर टाटा समूह से इस कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद ली। कंपनी पर 60074 करोड़ रुपये का कर्ज31 मार्च 2019 तक कंपनी पर 60074 करोड़ रुपये का कर्ज था। मार्च 2021 को समाप्त तिमाही में कंपनी के 9500 से 10000 करोड़ रुपये के घाटे में रहने की आशंका है। एयर इंडिया खरीदने वाली कंपनी को 23,286.5 करोड़ रुपये ही चुकाने होंगे। शेष कर्ज को विशेष उद्देश्य के लिए बनाए गए एयर इंडिया एसेट होल्डिंग्स लिमिटेड को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि बाकी का कर्ज खुद सरकार उठाएगी।मौजूदा समय में एयर इंडिया की 4400 घरेलू उड़ानेंडील के तहत एयर इंडिया का मुंबई में स्थित हेड ऑफिस और दिल्ली का एयरलाइंस हाउस भी शामिल है। मुंबई के ऑफिस का बाजार मूल्य 1,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। मौजूदा समय में एयर इंडिया 4400 घरेलू उड़ानें और विदेशों में 1800 लैंडिंग और पार्किंग स्लॉट को कंट्रोल करती है।रिजर्व प्राइस से करीब 3,000 करोड़ रुपये ज्यादा है टाटा की बोलीएक रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप की बोली सरकार द्वारा तय किए गए रिजर्व प्राइस से करीब 3,000 करोड़ रुपये ज्यादा है। टाटा की बोली स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह द्वारा लगाई गई बोली से लगभग 5,000 करोड़ रुपये अधिक है। आगे रिपोर्ट में कहा गया कि सरकारी सूत्रों ने उन रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया है, जिसमें रिजर्व प्राइस को 15,000-20,000 करोड़ रुपये बताया गया है।2020 में शुरू हुई थी एयर इंडिया को बेचने की प्रक्रिया बता दें कि एयर इंडिया को बेचने की प्रक्रिया जनवरी 2020 में ही शुरू कर दी गई थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसमें लगातार देरी हुई। अप्रैल 2021 में सरकार ने एक बार फिर योग्य कंपनियों से बोली लगाने को कहा। 15 सितंबर बोली लगाने का आखिरी दिन था। साल 2020 में भी टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया के अधिग्रहण को लेकर रुचि पत्र दिया था।

उत्तराखंड-माउंट त्रिशूल आरोहण के दौरान एवलांच की चपेट में आया वायुसेना का दल, दस पर्वतारोही लापता

उत्तराखंड के माउंट त्रिशूल के आरोहण के लिए गया वायुसेना का दल एवलांच की चपेट में आ गया है। जिसमें करीब 10 पर्वतारोही लापता बताए जा रहे हैं।वायुसेना के दस पर्वतारोही लापता, निम से रेस्क्यू टीम रवानाजानकारी के मुताबिक माउंट त्रिशूल के आरोहण के दौरान एवलांच आने से वायुसेना का पर्वतारोही दल इसकी चपेट में आ गया है। एवलांच की चपेट में आने से दस पर्वतारोही लापता बताए जा रहे हैं। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान से राहत-बचाव टीम कर्नल अमित बिष्ट के नेतृत्व में त्रिशूल चोटी के लिए रवाना हो गई है।शुक्रवार सुबह दल चोटी के समिट के लिए आगे बढ़ावायुसेना का दल करीब 15 दिन पहले 7,120 मीटर ऊंची त्रिशूल चोटी के आरोहण के लिए गया था। शुक्रवार सुबह दल चोटी के समिट के लिए आगे बढ़ा। इसी दौरान हिमस्खलन हुआ। जिसकी चपेट में वायु सेना के पर्वतारोही आए हैं। उत्तरकाशी से हेली के जरिये निम की सर्च एंड रेस्क्यू टीम रवाना हो गई है।इस संबंध में निम के प्रधानाचार्य कर्नल अमित बिष्ट ने बताया यह घटना शुक्रवार सुबह पांच बजे के करीब हुई है। वायुसेना के करीब 10 पर्वतारोही हिमस्खलन की चपेट में आए हैं और मिसिंग चल रहे हैं। चमोली में है माउंट त्रिशूलमाउंट त्रिशूल चमोली जनपद की सीमा पर स्थित कुमाऊं के बागेश्वर जनपद में है।

पंजाब का संकट-अब हरीश रावत ने कैप्टन पर साधा निशाना, कहा-किसान विरोधी भाजपा के मददगार न बनें

पंजाब कांग्रेस के घमासान के बीच पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने कैप्टन अमरिंदर सिंह पर निशाना साधा। रावत ने कहा कि हाल ही के कैप्टन के बयान ऐसे हैं जैसे वे किसी दबाव में हैं। रावत ने कहा कि कैप्टन किसान विरोधी भाजपा के मददगार न बनें। ये समय सोनिया गांधी के साथ खड़े होने का है। रावत ने कहा कि इन रिपोर्टों में कोई सच्चाई नहीं है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह का पंजाब कांग्रेस द्वारा अपमान किया गया था। कांग्रेस ने जो किया, कैप्टन के लिए कियारावत ने कहा कि विधायक दल की बैठक सोच समझ कर बुलाई गई थी। कैप्टन ने कहा कि वे बैठक में नहीं आएंगे। कांग्रेस पार्टी ने अब तक जो कुछ किया है वह कैप्टन अमरिंदर सिंह के सम्मान के लिए और 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए किया है। सिद्धू के खिलाफ काफी आक्रामक रवैया अपनाए हैं कैप्टनगृह मंत्री अमित शाह के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से कैप्टन अमरिंदर सिंह की मुलाकात नए समीकरण पैदा कर रही है। साफ है कि कैप्टन अब नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ फ्रंटफुट पर खेल रहे हैं। वहीं सिद्धू बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। कैप्टन और उनके साथी मनीष तिवारी व कपिल सिब्बल पंजाब को सरहदी सूबा बताकर आतंकवाद के खतरे की बात कर रहे हैं। कैप्टन पहले कह चुके हैं कि सरहदी सूबे के लिए सिद्धू फिट नहीं हैं। डोभाल-कैप्टन की मुलाकात इसलिए भी अहम है, क्योंकि अमरिंदर कह चुके हैं कि नए सीएम चरणजीत चन्नी का

बतौर मंत्री काम अच्छा रहा लेकिन उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा का अनुभव नहीं है। पंजाब के लिहाज से राष्ट्रीय सुरक्षा अहम है। पंजाब पाकिस्तान की सीमा से सटा राज्य है। कांग्रेस की किरकिरी करा रहे हैं सिद्धूभाजपा छोड़ कर कांग्रेस में घर बनाने पहुंचे नवजोत सिंह सिद्धू कांग्रेस की आंखों की किरकिरी बन कर रह गए हैं। सिद्धू का इस्तीफे का दांव उनके लिए खतरनाक साबित हुआ है, आलाकमान इस पैंतरे से खफा है। वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा को मुद्दा बना चुके कैप्टन अमरिंदर सिंह सिद्धू को धूल चटाने के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं।

किसान महापंचायत को सुप्रीम कोर्ट की खरी खरी-शहर का दम घोंटने के बाद अब आप भीतर आकर प्रदर्शन करना चाहते हैं

सुप्रीम कोर्ट ने तीन कृषि कानूनों के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की मांग करने वाले किसानों (किसान महापंचायत) के रुख पर आपत्ति जताई जो अदालतों में कानूनों की वैधता को चुनौती देने के बावजूद विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने किसान महापंचायत संगठन पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि लंबे समय से विरोध कर रहे किसानों ने पूरे शहर का गला घोंट दिया है और अब शहर के अंदर आकर उत्पात मचाना चाहते हैं। क्या शहर के लोग अपना कारोबार बंद कर दें या आपके प्रदर्शन से लोग खुश होंगे।न्यायमूर्ति एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एक बार कानूनों को अदालतों में चुनौती देने के बाद विरोध करने वाले किसानों को विरोध जारी रखने के बजाय

व्यवस्था और अदालतों में अपना विश्वास करना चाहिए। पीठ ने कहा, 'आपको प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन राजमार्गों को ब्लॉक कर लोगों को परेशानी में नहीं डाल सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा,' पहले आप शहर के बाहर सड़कों को अवरोध किया और अब आप शहर के भीतर आना चाहते हैं। जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है।प्रदर्शन करने की इजाजत कैसे दी जा सकती- सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे किसान यातायात बाधित कर रहे हैं, ट्रेनों और राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध कर रहे हैं। सुरक्षा कर्मियों को निशाना बना रहे हैं, सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और फिर भी प्रदर्शन करने की मांग के लिए याचिका दायर कर रहे हैं। ऐसे में प्रदर्शन करने की इजाजत कैसे दी जा सकती है। मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी। महापंचायत संगठन से हलफनामा दायर करने की मांगसुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता किसान महापंचायत संगठन से कहा, पहले आप हलफनामा दायर कर बताए कि फिलहाल सीमाओं पर बैठे प्रदर्शनकारियों से आपका कोई संबंध तो नहीं है।

सर्वोच्च अदालत ने याचिका की प्रति केंद्रीय एजेंसी और अटॉर्नी जनरल को देने का भी आदेश जारी किया है। सड़कों से प्रदर्शन हटाने के लिए क्या कर रही सरकारइससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि वह राष्ट्रीय राजधानी में तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों द्वारा सड़क की 'नाकेबंदी' को हटाने के लिए क्या कर रही है? शीर्ष अदालत ने एक बार फिर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कि सड़कों को हमेशा के लिए कब्जा नहीं किया जा सकता।

निर्देश-केंद्र को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, वैक्सीन के लिए आधार कार्ड दिखाने के लिए ना बनाए दबाव

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर नोटिस जारी किया है जिसमें केंद्र सरकार को निर्देश देने की गुहार लगाई गई है कि कोविड-19 टीकाकरण के लिए लोगों से पहचान के तौर पर सिर्फ आधार कार्ड पेश करने के लिए दबाव न डाला जाए। जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुरुआत में याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से कहा, 'आप अखबार की रिपोर्ट पर नहीं जाइए। क्या आपने खुद कोविन एप को देखा है। इसे अपडेट किया गया है।आप एप के एफएक्यू वाले खंड में जाइए। आप देखेंगे कि उसमें पहचान पत्रों की सूची है, जिसके माध्यम से आप टीकाकरण के लिए पंजीकृत कर सकते हैं। आप ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड आदि से पंजीकरण कर सकते हैं। केंद्र को नोटिस जारीइस पर वकील ने कहा कि यह सही है कि सात ऐसे पहचान पत्र हैं, जिसके द्वारा पंजीकरण किया जा सकता है, लेकिन टीकाकरण केंद्र पर लोगों से आधार की मांग की जाती है। केंद्रों पर कहा जाता है कि आधार के बिना टीकाकरण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि नियम सिर्फ कागजों पर है। आधार कार्ड से लिंक होना अब भी जरूरी है। जिसके बाद पीठ ने याचिका पर परीक्षण करने का निर्णय लेते हुए सरकार को नोटिस जारी किया।

झटका-अब कांग्रेस को इस राज्य से मिल सकती है बुरी खबर, पूर्व मुख्यमंत्री समेत एक दर्जन विधायक टीएमसी में होंगे शामिल

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस इन दिनों सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। ताजा घटनाक्रम पंजाब का है, जहां पिछले एक सप्ताह से सियासी ड्रामा जारी है। पंजाब का असर अब राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भी दिखने लगा है। वहीं, इस बीच पार्टी के लिए एक और बुरी खबर आ रही है। पूर्वोत्तर में कांग्रेस को करारा झटका लग सकता है। मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा और पूर्वोत्तर पहाड़ी राज्य के करीब एक दर्जन विधायक कांग्रेस का हाथ छोड़कर जल्द ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा,अब विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, कांग्रेस हाईकमान से नाखुश हैं और उन्हें लगता है कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें किनारा कर दिया। ऐसे में उन्होंने टीएमसी में अपना सियासी

भविष्य को देखा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकुल संगमा पिछले सप्ताह बंगाल दौरे पर गए थे, इस दौरान कोलकाता में टीएमसी लीडरशिप से मुलाकात की थी। संगमा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से उनकी हालिया मुलाकात की खबरों का खंडन किया था। सुष्मिता देव की शामिल होने के बाद अटकलें तेज हालांकि, सुष्मिता देव की मेघालय यात्रा के बाद से इसकी चर्चा बढ़ गई कि संगमा टीएमसी का दामन थामने वाले हैं।

गौरतलब है कि अगस्त में ही सुष्मिता देव कांग्रेस छोड़ टीएमसी में शामिल हो गई थीं। संगमा कांग्रेस छोड़ देते हैं, तो कई अन्य विधायक भी पार्टी छोड़ सकते हैं। ऐसे में संगमा ने कुछ समय तक के लिए पार्टी छोड़ने का फैसला टाल दिया था।

IPL 2021-अश्विन-मॉर्गन की बहस पर बोले गंभीर-अगरकर और इरफान, कहा-लोग फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए उठा रहे मुद्दा

आईपीएल 2021 में 28 सितंबर को दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच शारजाह में मुकाबला खेला गया। यह वही मैच था जिसमें केकेआर के कप्तान इयोन मॉर्गन और आर अश्विन के बीच तीखी बहस हुई थी। इस मामले पर लोग अब भी चर्चा कर रहे हैं। वहीं इस मुद्दे पर पूर्व भारतीय क्रिकेट गौतम गंभीर, अजित अगरकर और इरफान पठान ने अपने विचार साझा किए हैं। उनका कहना लोग सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए इस मुद्दे को उठा रहे हैं।यह था मामलाकोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मैच के दौरान केकेआर के क्षेत्ररक्षक द्वारा स्टंप पर गेंद फेंकने के बाद अश्विन रन लेने दौड़े। यह गेंद ऋषभ पंत के शरीर पर लगी थी, हालांकि अश्विन के पता नहीं था कि कि गेंद उनके कप्तान के शरीर पर लगी है। इस ओवर थ्रो के चलते कोलकाता के खेमे से टीम साउदी और इयोन मॉर्गन व दिल्ली के अश्विन के बीच कहासुनी भी हुई। इस दौरान अश्विन भी इस बातचीत में शामिल हुए जिसके बाद मॉर्गन ने उनके लिए डिसग्रेस शब्द का इस्तेमाल किया था। गंभीर ने लिया अश्विन का पक्षमैच के बाद स्टार स्पोर्ट पर चर्चा करते हुए गौतम गंभीर ने कहा, अश्विन ने जो कुछ किया वह नियमों के तहत था, मैं उनका सौ फीसदी समर्थन करता हूं, उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। लेकिन इसके बावजूद बहुत सारे लोग इस मामले में कूद रहे हैं, जबकि उनको इससे कुछ मिलने वाला नहीं है, संभवत: लोग सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए इस मामले को तूल दे रहे हैं, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं है, अश्विन वास्तव में अपनी जगह ठीक थे। इरफान पठान ने सुनाई खरी-खरीवहीं पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने बेन स्टोक्स से जुड़े 2019 विश्व कप के मुद्दे को उठाया जब गेंद इंग्लैंड के ऑलराउंडर से टकराकर बाउंड्री रस्सियों तक चली गई थी। उन्होंने कहा भारतीय खिलाड़ी पूरी तरह से अश्विन का समर्थन करेंगे। उन्होंने आगे कहा, लोग खेल की भावना शब्द का प्रयोग अपनी सुविधा के लिए करते हैं, आपको 2019 विश्व कप याद है? चलो इसमें मत जाओ, यदि आपको नियम से कोई समस्या है, तो नियम बदलिए। अगरकर की दो-टूकपूर्व भारतीय गेंदबाज अजित अगरकर ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में खेल की भावना विषय पर बहुत कुछ किया गया है, और कहा कि यह विषय से आगे बढ़ने का समय है। उनके मुताबिक, इतना कुछ बना दिया गया है जिसके चलते खेल की भावना का शब्द आसानी से इस्तेमाल किया जाता है, आपके पास ऐसी स्थितियां नहीं हो सकती हैं जहां एक चीज की अनुमति नहीं है और दूसरी चीज की अनुमति है, यह उस तरह से काम नहीं कर सकता।

स्मृति मंधाना ने शतक जड़ रचा इतिहास, यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे डे/नाइट टेस्ट में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। वह भारत की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिन्होंने डे/नाइट टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इसके अलावा वह भारत की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध टेस्ट मैच में शतक लगाया है। यह मंधाना का पहला टेस्ट शतक है। यह करिश्मा करने वाली पहली भारतीयऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाने वाली स्मृति भारत की पहली बल्लेबाज हैं। इसके अलावा वह पहली नॉन इंग्लिश महिला बल्लेबाज हैं जिन्होंने कंगारूओं की धरती पर शतक लगाया है। चौका लगाकर पूरा किया शतकस्मृति मंधाना ने अपना शतक चौका लगाकर पूरा किया। उन्होंने यह स्कोरिंग शॉट ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाज एलियस पेरी की गेंद पर लगाया। मंधाना ने पहला टेस्ट शतक 170 गेंदों पर पूरा किया। उनके इस शतक के जरिए टीम इंडिया बड़े स्कोर की तरफ अग्रसर है। तीनों प्रारूपों में

सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाने वाली पहली भारतीयस्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की तरफ से क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में सबसे ज्यादा व्यक्गित स्कोर बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। कंगारू महिला टीम के खिलाफ उनका स्कोर 108 रन नाबाद टेस्ट, 102 रन वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में 66 रन बनाए हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट स्कोर बनाने वाली विदेशी खिलाड़ीस्मृति मंधाना दुनिया की पहली बल्लेबाज बन गई हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर बनाया है। उन्होंने 124 रन बनाते ही यह उपलब्धि हासिल की। इस मामले में मंधाना ने मॉली हाइड को पीछे छोड़ दिया। महिला टीम का पहला डे/नाइट टेस्टऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोल्ड कोस्ट के कैरारा ओवल में खेला जा रहा टेस्ट भारतीय महिला क्रिकेट टीम का पहला डे/नाइट मैच है। जबकि, कंगारू टीम अपना दूसरा दिन/रात्रि का टेस्ट खेल रही है। इससे पहले कंगारू महिला टीम इंग्लैंड के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट खेल चुकी है।

धोनी का छक्का देख गावस्कर-पीटरसन ने की तारीफ, कहा- माही ने जो किया उससे विपक्षी टीमों को डरना चाहिए

इंडियन प्रीमियर लीग 2021 का 44वां मैच गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। इस मुकाबले में सीएसके ने हैदराबाद को 6 विकेट से हराया। मैच के दौरान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का छक्का चर्चा का विषय रहा। उन्होंने पुराने रंग में लौटते हुए अपने जाने-माने में अंदाज में छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। धोनी उस समय बल्लेबाजी करने आए जब चेन्नई को 4 ओवर में 26 रन बनाने थे। एक बार फिर धोनी मैच को अंतिम ओवर तक लेकर गए। एक बार ऐसा लगा कि मुकाबला सुपर ओवर तक जा सकता है। लेकिन उन्होंने 20वें ओवर में सिद्धार्थ कौल की चौथे गेंद पर छक्का लगाकर सभी कयासों पर विराम लगा दिया। उनके इस शॉट को देखने के बाद पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर और केविन पीटरसन ने धोनी की तारीफ की है।धोनी की फॉर्म ने बढ़ाई दूसरी टीमों की चिंताभारत के पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने धोनी की परफॉर्मेंस की तारीफ की है, उनका कहना है कि धोनी फॉर्म ने वापस आ गए हैं जो दूसरी टीमों के लिए चिंता का विषय है।

मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए सुनील गावस्कर ने कहा, धोनी अक्सर ऐसा करते हैं, वह अंतिम ओवर तक मैच ले जाते हैं, जब क्रिकेट फैंस दांतों तले उंगली दबा लें, लेकिन वे भी जानते हैं कि धोनी ऐसा करने जा रहे हैं, धोनी ने अपने करियर में

यह करिश्मा बहुत बार कर चुके हैं।

वहीं, पीटरसन ने कहा, धोनी यह बहुत वर्षों से करते आ रहे हैं, वह करते रहते हैं, और करते रहते हैं उन्होंने अब जो किया उससे विपक्ष को डरना चाहिए। उन्होंने कहा कि धोनी पिछले दो सत्र से फॉर्म में नहीं हैं, इसलिए अगर वह अब यहां ऐसा करना शुरू कर देते हैं, तो अच्छा है, वह ट्रॉफी जीत सकते हैं।

सख्ती-किड्स इंस्टाग्राम के विरोध में अमेरिकी संसद एकजुट, रूस ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की बढ़ाई मुश्किलें

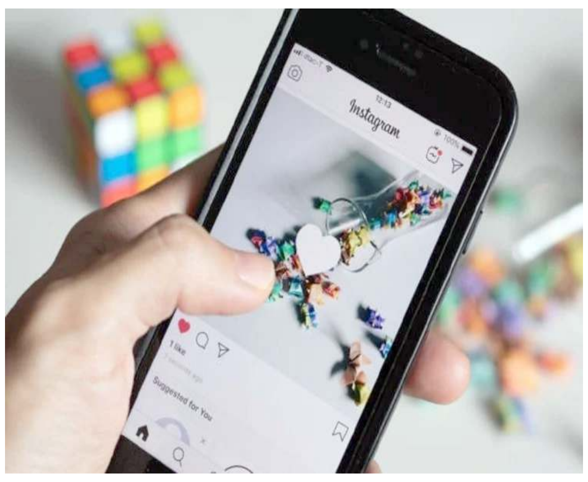

फेसबुक के किड्स इंस्टाग्राम को लेकर अमेरिकी संसद कांग्रेस एकजुट हो गई है। विपक्षी दलों का कहना है कि फेसबुक का किड्स इंस्टाग्राम बच्चों को नुकसान पहुंचाएगा। खासकर लड़कियों को, उनकी तस्वीरों का गलत इस्तेमाल संभव है। फेसबुक 10 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए नया इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म लाने की तैयारी कर रहा है।एक व्हिसलब्लोअर की रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टाग्राम के लती बच्चों में मानसिक सेहत, शरीर की सुंदरता को लेकर कुंठा और आत्महत्या जैसे विचारों को देखा गया है। फेसबुक ने अपने शोध में भी ये तथ्य पाया है। ऐसे में किड्स इंस्टाग्राम बच्चों के जीवन व सेहत, दोनों के लिए नई चुनौती खड़ी कर सकता है। इन्हीं तथ्यों के आधार पर दिग्गज टेक कंपनी फेसबुक के खिलाफ बाल विकास विशेषज्ञों के साथ अभिभावक भी उसके विरोध में खड़े हो गए हैं। सीनेट कॉमर्स कमेटी ने फेसबुक की ग्लोबल सेफ्टी हेड एंटीजोन डेविस को समन जारी कर बृहस्पतिवार को बच्चों पर इंस्टाग्राम पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर सफाई देने के लिए बुलाया है।जानबूझकर तो नहीं पंहुचा रहे नुकसानकमेटी केचेयरमैन सेन रिचर्ड ब्लूमेंथल डी कॉन का कहना है, समिति सभी मानदंडों के बारे में पूरी जानकारी चाहती है। कैसे फेसबुक का किड्स इंस्टाग्राम बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। समिति युवाओं पर फेसबुक और इंस्टाग्रम के दुष्प्रभावों के बारे में जानना चाहती है। हम ये भी जानना चाहते हैं कि क्या टेक कंपनियां जान बूझकर युवाओं को नुकसान पहुंचा रही है और उसे छिपाने की कोशिश कर रही हैं।रूस में फेसबुक पर भारी जुर्माना संभव, यूट्यूब बंद करने की धमकीदुनिया की दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक पर रूस में भारी जुर्माना लग सकता है। वहीं गूगल की मनमानी को देख रूस ने यूट्यूब प्लेटफॉर्म को अपने यहां बंद करने की धमकी दे दी है।मॉस्को रूसी कंटेंट सामग्री पर प्रतिबंधों को गैरकानूनी बता रहा है। इसी आधार पर मॉस्को सोशल मीडिया जाइंट फेसबुक पर रूस में होने वाली उसकी वार्षिक आय में से पांच से 10 फीसदी जुर्माने के रूप में वसूल सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस ने फेसबुक के खिलाफ लड़ाई और उसको चुनौती देने की पूरी तैयारी कर ली है। रूस ने बुधवार को गूगल के प्लेटफॉर्म यूट्यूब को भी अपने यहां बंद करने की धमकी दी है।पोर्न पोस्ट हटाने में नाकामरूस के संचार नियामक ने कहा है कि फेसबुक लगातार नियमों की अनदेखी कर रहा है। चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े पोस्ट हटाने में वो नाकाम रहा है। मॉस्को ने विदेशी टेक कंपिनयों के खिलाफ पिछले एक साल से मोर्चा खोला हुआ है। उसका कहना है कि ये कंपनियां इंटरनेट की दुनिया में संप्रभुता के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट-म्यांमार से जुड़ी सीमाओं पर बढ़ रहा संघर्ष, एक फरवरी से अबतक भारत में प्रवेश कर चुके हैं 15 हजार रोहिंग्या

संयुक्त राष्ट्र संघ के अध्यक्ष एंतोनियो गुटेरस ने महासभा की बैठक के दौरान चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में तख्तापलट के बाद से अबतक 15000 से ज्यादा लोग भारतीय सीमा में प्रवेश कर चुके हैं। अपनी रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य टकराव के चलते थाईलैंड, चीन व भारत पर असर पड़ा है और सीमावर्ती इलाकों में जातीय संघर्ष शुरू हो गया है, जो चिंता बढ़ाने वाली बात है। दो

लाख 20 हजार लोग हुए विस्थापित रोहिंग्या मुसलमानों और अल्पसंख्यकों पर एक रिपोर्ट में गुटेरस ने कहा कि एक फरवरी को हुए तख्तापलट से पहले म्यांमार में तीन लाख 36 हजार लोगों को विस्थापित किया गया था। लेकिन तख्तापलट के बाद से अब हिंसा के कारण करीब दो लाख 20 हजार लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुके हैं। इसके अलावा 15 हजार से ज्यादा लोग भारतीय सीमा में प्रवेश कर गए हैं तो करीब सात हजार लोग थाईलैंड जा चुके हैं। 1600 किलोमीटर का बिना बाड़े वाली सीमा चौंकाने वाली बात यह है कि म्यांमार भारत के साथ करीब 1600 किलोमीटर की बिना किसी तार या बाड़े वाली सीमा साझा करता है, जहां पर किसी भी प्रकार की सुरक्षा का प्रबंध नहीं है। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी में एक समुद्री सीमा म्यांमार से जुड़ती है। उत्तर-पूर्व में अरुणाचलय प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर व मिजोरम की सीमा भी म्यांमार के साथ मिलती हैं। गुटेरस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सेना के द्वारा सत्ता में आने के बाद से आंग सान सू व अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया गया है और 2015 में राष्ट्रव्यापी युद्धविराम समझौते के तहत आने वाले क्षेत्रों के साथ पूरे म्यांमार में तनाव बढ़ गया है।

ड्रैगन का तोड़-ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन के लिए क्वाड जरूरी

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से संतुलन बनाए रखने के लिए चार देशों का सुरक्षा समूह क्वाड जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान की सदस्यता वाला क्वाड गठबंधन नहीं है बल्कि समान समझ वाले लोकतंत्रों और अर्थव्यवस्थाओं की भागीदारी है जो स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने और दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट हुए हैं।हाल ही में चीनी अधिकारियों ने कहा था कि क्वाड का गठन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए हुआ है। इस पर ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा कि वह क्षेत्र को 'द्विध्रुवीय पक्षों' के रूप में नहीं देखते। भारत और ऑस्ट्रेलिया इसे चीन से संबंधों को संतुलित करने की जरूरत के रूप में नहीं देखते। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को बढ़ावा दें।बदलाव के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था : ऑस्ट्रेलियाऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन ने कहा है कि भारत अपनी अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से भारत के लिए ऊर्जा निर्यातक रहा है और आगे भी रहेगा।भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा नौसैनिक अभ्यास ऑसीइंडैक्स शुरूभारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विवार्षिक नौसैनिक युद्धाभ्यास ऑसीइंडैक्स का चौथा चरण शुरू हुआ। नौसेना ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख माइकल नूनन ने ट्वीट किया, समुद्री युद्धाभ्यास को भारत के साथ उच्च समुद्री युद्ध प्रशिक्षण और 'ऑसनेवी' समुद्री क्षमताओं की श्रृंखला का प्रदर्शन करने के लिए आयोजित किया गया। ऑस्ट्रेलिया की क्षमता के

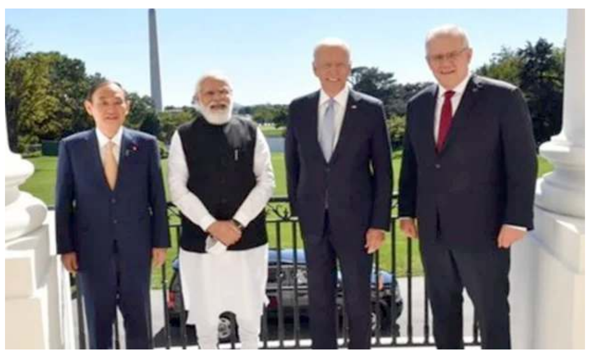

प्रदर्शन के लिहाज से ऑसीइंडैक्स बेहद महत्वपूर्ण है।समग्र मुक्त व्यापार करार पर हस्ताक्षर करेंगे भारत-ऑस्ट्रेलियाभारत व ऑस्ट्रेलिया 2022 के अंत तक समग्र मुक्त व्यापार समझौते और इस साल के अंत में क्रिसमस तक प्रारंभिक फसल व्यापार सौदे पर हस्ताक्षर करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई मंत्री डेनियल थॉमस तेहान ने कहा कि दोनों देशों इन दोनों पर सहमत हो गए हैं। अंतिम मुक्त व्यापार समझौते से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दिसंबर 2021 तक अंतरिम करार पर पहुंच जाएंगे।

अनुपम खेर फ़िल्म साँचा में दिल से अदाकारी की है ; निर्माता विवेक दीक्षित

अनुपम खेर, रघुवीर यादव, मुकेश तिवारी, विजय राज, सुधा चंद्रन जैसे कलाकारों के कमाल के अभिनय से सजी फ़िल्म साँचा एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई है जिसे दर्शकों का बहुत ही अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फ़िल्म मे अनुपम खेर का किरदार काफी पसंद किया जा रहा है, और उनकी नेचुरल एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है।

फ़िल्म साँचा के निर्माता विवेक दीक्षित ने अनुपम खेर से जुड़ी कई बातें बताईं उन्होंने कहा कि चूंकि फ़िल्म की कहानी मैंने ही लिखी है, इसलिए कहानी अनुपम खेर को मैंने सुनाई थी, उन्हें कहानी बेहद पसंद आई। उन्होंने दिल से इसमे अदाकारी की। फ़िल्म भी उन्हें काफी अच्छी लगी। फ़िल्म की शूटिंग हमने राजपिपला, महाराष्ट्र में की थी। अनुपम खेर का बहुत सपोर्ट हासिल रहा। फ़िल्म को लेकर अनुपम खेर का कहना है कि यह एक बहुत अच्छी रियलिस्टिक फ़िल्म है, इसे लोगों को देखना चाहिए।

प्रोड्यूसर विवेक दीक्षित ने बताया कि यह अच्छे कंटेंट का ज़माना है। ओटीटी ने पूरा परिदृश्य बदल दिया है। लोग साँचा काफी देख रहे हैं, तारीफ कर रहे हैं। ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूर अपने समाज दुनिया से कटे हुए लोग होते हैं। वहां गरीबी कुपोषण शोषण सबकुछ होता है। इतनी तेज धूप में मजदूर काम करते हैं। हमने उस स्थिति को लेकर काफी रिसर्च किया, डेटा तय्यार किया, उस कल्चर को एडॉप्ट किया। ऐक्टर्स को ईंट भट्ठे पर लेकर गए, उन्हें जमीनी हकीकत दिखाई। जून की तपतपाती गर्मी में हमने इसे शूट किया। महाराष्ट्र के व्रजेश्वरी में ईंट भट्ठे का सेट लगाकर हमने सख्त गर्मी में इसे फ़िल्माया ताकि फ़िल्म रीयलिस्टिक लगे। एक्टर्स के चेहरे पर जो गरीबी और दर्द दिखाना था वह उतनी गर्मी में ही आ सकता था। घर से ईंट भट्ठे तक वैष्णवी के भागने का एक सीन था, मैंने उन्हें नंगे पैर भागने को कहा ताकि जमीन की गर्मी की शिद्दत उनके चेहरे पर छलके। वैष्णवी ने चंदा का रोल किया है, इस सीन को करने में उनके पांव में छाले पड़ गए थे। रघुबीर यादव वैनिटी वैन में नहीं बैठते थे बल्कि वहीं पेड़ के नीचे बैठ जाते थे। मजदूरों का कल्चर उन्होंने एडॉप्ट किया।

फ़िल्म में अनुपम खेर ने गांव के एक दुकानदार के किरदार को बखूबी निभाया है।

निर्माता विवेक दीक्षित ने साँचा के बाद एक तमिल फिल्म बनाई, फिलहाल वह एक और हिंदी फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। उसकी कहानी रेडी है। वह सोशल ईशु पर बेस्ड फ़िल्म बनाना पसन्द करते हैं। रियलिस्टिक और सन्देश देने वाली फिल्म बनाते हैं। ऐसा सिनेमा जिससे समाज को कुछ दे पाए।

आपको बता दें कि फिल्म "साँचा" के निर्देशक आलोक नाथ दीक्षित, निर्माता : विवेक दीक्षित, हैं। रामखिलावन के रोल में अनुपम खेर ने जान डाल दी है। सामाजिक ईशु और सोसाइटी के कड़वे सच पर बेस्ड यह एक उम्दा सिनेमा है। फ़िल्म एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम की जा रही है, आप देख सकते हैं।

दंगल टीवी के शो "रंजू की बेटियां" की कहानी में आया नया टर्न और ट्विस्ट

दंगल टीवी के नम्बर 1 शो "रंजू की बेटियां" में कई टर्न और ट्विस्ट आने वाले हैं जो दर्शकों को चौंकाने वाले हैं। रंजू की बेटी मुस्कान का अपहरण करवा कर उसे मुजरा करने पे कौन करता है मजबूर, यह आने वाले एपिसोड्स में दिखेगा। शो की कहानी में धमाकेदार मोड़ के बारे में ललिता के रूप में इस शो की रानी बनी दीपशिखा नागपाल ने कहा कि वह अपने गुड्डू जी से इतनी मोहब्बत करती है कि वह उन्हें वापस लाने के लिए वह कुछ भी कर सकती है, किसी भी हद तक जा सकती है। गुड्डू जी रंजू के पास चले गए हैं और मुझे और मेरे बेटों को बिल्कुल नेगलेक्ट कर रहे हैं। ललिता हार मानने वालों में से नहीं है, उसे लगता है कि वह रंजू की लाइफ बर्बाद कर देगी तो गुड्डू जी थक हार कर वापस आ जाएंगे। सब कहते हैं कि मैं इतनी निगेटिव क्यों हूँ तो मुझे फ़िल्म गली बॉय का डायलॉग याद आता है कि मेरे पति के साथ गुलु गुलु करेगी तो तुझे छोड़ूंगी थोड़े ही। मेरे पति को वह लेकर गई है तो मैं उसकी जिंदगी बर्बाद करूंगी। मैंने उसकी बेटी को किडनैप करवा कर उसे कोठे पे बेच दिया है। लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं इतनी बुरी क्यों हूँ तो मैं कहती हूँ कि अगर मेरा किरदार बुरा नहीं होगा तो कहानी में ट्विस्ट कैसे आएगा, हमारा शो आगे कैसे बढ़ेगा। दंगल का यह नम्बर 1 शो है, इसे हम लगभग 9 महीने से कर रहे हैं, शो के 200 एपिसोड कंप्लीट होने वाले हैं। यह पूरी टीम और दंगल चैनल की टीम की मेहनत का नतीजा है कि इसे लोगों का खूब प्यार मिल रहा है। दंगल चैनल मेरे लिए फैमिली की तरह है। मैं उनके लिए एक शो क्राइम अलर्ट प्रोड्युस भी कर रही हूं। रंजू की बेटियां में और भी बड़ा धमाका होने वाला है, लेकिन फिलहाल मैं वह ट्विस्ट नहीं बताऊंगी। शो में कोठे की मालकिन बनी रेशमा बेगम का किरदार कर रही रिद्धिमा तिवारी ने कहा कि जहां रिद्धिमा होती है वहां धमाका होता है या तड़का लग रहा होता है। इस सीक्वेंस में भी एक जबरदस्त ट्विस्ट आने वाला है। आज मुस्कान लोगों का दिल पिघलाने वाली है और उसे मैंने यह अंदाज़ सिखाया है। यहां नाच गाना होगा, उसकी बोली लगेगी और मुझे मिलेंगे 50 लाख रुपए। वह इसके लिए तैयार नहीं हो रही है लेकिन मैं उसे डरा धमका कर, उसको गला घोंटकर मारने की धमकी देकर उसे जबर्दस्ती तैयार करवा रही हूं। कहानी में ट्विस्ट यह है कि दीपशिखा (ललिता) का दिल बहुत दुखी है क्योंकि उनके हसबैंड (अय्यूब खान) रंजू के पास चले गए हैं। तो ललिता उनकी बेटियों को हर्ट करने की कोशिश करती है और मुस्कान का उसके दोस्त की मदद से अपहरण करवा लेती है। मुस्कान को मेरे यानी रेशमा बेगम के दरबार मे लाया गया है। ललिता चाहती है कि मुस्कान का जल्दी कोई इंतजाम हो जाए, ताकि वह रंजू को कुचल सके और अय्यूब जी उसके पास आ जाएं, देखते हैं उनकी यह चाल सफल होती है या नहीं?रिद्धिमा तिवारी ने आगे बताया कि उनके रेशमा के अवतार और गेटअप की काफी चर्चा हो रही है। चाहे सेट पर या जिसने भी मेरा यह रूप देखा है लोगों ने कहा कि ऐसा गेटअप सिर्फ फिल्मों में दिखाई देता है।

मुस्कान का रोल प्ले कर रही आरुषि शर्मा ने बताया कि आज के सीन में यह चल रहा है कि मुस्कान किडनैप हो जाती है और उसे एक कोठे पे बेच दिया जाता है। बुलबुल दीदी उसे बचाने आती है लेकिन बेचारी बुलबुल दीदी भी इनके जाल में फंस जाती है। बुलबुल दीदी को बचाने के लिए मुस्कान को डांस करना पड़ेगा। इन सब के पीछे राहुल का हाथ है, जबकि इस कांड की मास्टरमाइंड ललिता हैं। रंजू से बदला लेने के लिए ललिता इस हद तक गिर जाती हैं कि उन्होंने मुझे कोठे पर पहुंचा दिया है। ललिता को मुस्कान एकदम पसन्द नहीं करती क्योंकि ललिता की वजह से रंजू जी की जिंदगी में बहुत परेशानियां आई हैं। शो में दीपशिखा के बेटे का रोल कर रहे करण खंडेलवाल ने बताया कि सीरियल के तमाम किरदारों की सूत्रधार हमारी मां हैं। वही सभी प्लान बनाती हैं और हम उन पर अमल करते हैं। जब तक दीपशिखा नागपाल इस शो में हैं, यह शो नम्बर वन रहेगा।

गौरतलब है कि दंगल टीवी के लोकप्रिय शो 'रंजू की बेटियां' में अय्यूब खान, दीपशिखा नागपाल, रूपल त्यागी, करण खंडेलवाल, जीवांश चड्ढा और रीना कपूर सहित मोनिका चौहान, नवीन पंडित और अनुष्का श्रीवास्तव जैसे कई कलाकार हैं।यह शो सोमवार से शुक्रवार रात 9.30 बजे सिर्फ दंगल टीवी पर देखा जा सकता है।

...छोड़ दी मैंने!

मुंबई, रणबीर कपूर व सनी कौशल ने अपना जन्मदिन मनाया तो पूजा भट्ट ने भी अपनी पांचवीं सालगिरह मनाई। अनोखी सालगिरह। न न, जन्मदिन का नहीं बल्कि शराब छोड़ने की सालगिरह। पूजा को शराब छोड़े पांच साल पूरे जो हो चुके हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक लंबी-चौड़ी इमोशनल पोस्ट लिखकर बताया कि आखिर इसे छोड़ने के चलते उन्हें कितने चैलेंजेज फेस करने पड़े। प्यार को ढूंढने के लिए वह कितने देश, बॉर्डर पार कर चुकी हैं। उन्हें वह वक्त याद नहीं जब वह प्यार में नहीं थीं। पूजा ने लिखा, 'पांच साल लगभग हो चुके हैं, जबसे मैंने शराब का सेवन छोड़ा है। एक चीज जिसने मुझे खतरनाक स्टॉर्म्स से बचाया, बुरे वक्त में साथ दिया और फेम के मौसम में मुझे सब्र सिखाया। मेरी जिंदगी में किसी तीसरे के लिए जगह नहीं है। मेरी लाइफ में मेरी सबसे पहली जरूरत मैं खुद हूं। मेरी इमोशनल हेल्थ सबसे पहले आती है। रिकवरी पहली प्राथमिकता है क्योंकि हर रिकवरी, जैसे प्यार मतलबी होता है फिर चाहे लोग कुछ भी क्यों न कहते रहें! मेरी च्वॉइस एकदम क्लियर है, मैं अकेली हूं, हमेशा!' पूजा की इस पोस्ट पर एक पैâन ने कॉमेंट करते हुए लिखा, 'मैंने अपने पति को शराब के सेवन में खो दिया। कई दिन ऐसे होते हैं, जब मैं खुद से पूछती हूं कि मैंने क्यों नहीं उन्हें रीहैब सेंटर जाने के लिए फोर्स किया?' पूजा ने जवाब में लिखा, 'मुझे माफ करिए आपके लॉस के लिए। उस पैâक्ट के लिए भी कि यह आपके मन में एक सवाल पैदा कर रहा है। सच यह है कि कोई किसी को नहीं रोक सकता है। हर चीज करने की लालसा आपको अपने अंदर से मिलती है। आपको ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद!' पूजा के अनुभव से शायद कुछ युवा और सबक ले सकें तो यह अच्छी बात होगी!

अलीबाग में नया आशियाना

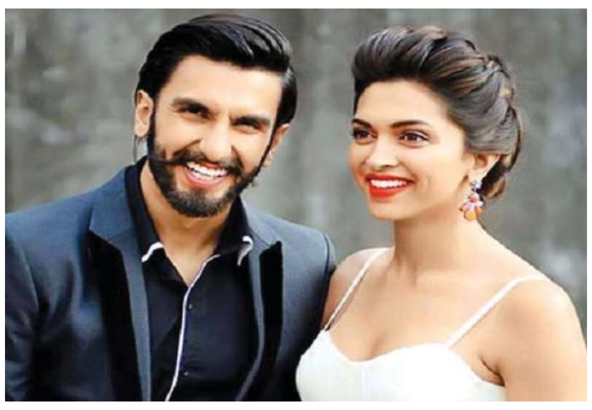

मुंबई, एक बंगला बने न्यारा! पर बॉलीवुड का हॉट कपल रणवीर और दीपिका तो एक के बाद एक अपने आशियाने बनाते जा रहे हैं। मुंबई में तो दोनों के पास कई घर हैं। अब खबर है कि अलीबाग में एक और आशियाना तैयार हो रहा है। दोनों ने हाल ही में रियल एस्टेट में निवेश किया था। कहा जा रहा है कि दोनों ने अलीबाग में अपना नय नया घर खरीदा है। हालांकि दोनों की ओर से कोई भी बयान सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका-रणवीर ने अलीबाग में एक एक खाली प्लॉट खरीदा था। दोनों ही अलीबाग के पंजीयन कार्यालय में पेपरवर्क पूरा करने पहुंचे थे। इसके बाद ही इनके प्रॉपर्टी खरीदने की बात सामने आई थी। सूत्रों की मानें तो दीपिका ने पिछले महीने बंगलुरु में भी एक प्रॉपर्टी खरीदी थी। यह काफी महंगा अपार्टमेंट था। बंगलुरु की प्रॉपर्टी पर अभी काम चल रहा है। कुछ ही समय में वह पूरा हो जाएगा। कहा जा रहा था कि दीपिका ने जो प्रॉपर्टी खरीदी थी, उसकी कीमत करोड़ों में थी। बता दें कि दीपिका के माता-पिता और बहन बंगलुरु में ही रहते हैं। अब डिजाइनर विनीता चैतान्या ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने ऑफिशियल अनाउंसमेंट करते हुए दोनों की प्रॉपर्टी के बारे में घोषणा की है। विनीता ने एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है, जिसमें दीपिका-रणवीर गाड़ी में उनके साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं। फोटो के वैâप्शन में विनीता ने लिखा, 'ये कौन लोग हैं मेरी गाड़ी में?' इसके साथ ही उन्होंने दोनों को टैग करते हुए 'वेलकम टू अलीबाग' का हैशटैग लगाया है!

कुर्सी खाली करने का टेंशन!

मुंबई, पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू ने जो घमासान मचा रखा है, उसका असर बॉलीवुड में भी दिख रहा है। खासकर 'द कपिल शर्मा शो' के सहयोगियों पर। सबको पता ही है कि सिद्धू पहले इस शो के जज थे और बड़े ही नाटकीय तरीके से उनकी कुर्सी खाली हुई थी। बाद में उस जगह पर अर्चना पूरन सिंह विराजमान हुई थीं। अब जब पंजाब में सिद्धू रोज पटाखे फोड़ रहे हैं तो सोशल मीडिया पर चर्चा चल निकली है कि राजनीति सिद्धू के बस की बात नहीं है और वे वापस लौटकर कपिल शर्मा के शो में अपनी जज की कुर्सी संभाल सकते हैं। ऐसे में अर्चना को कुर्सी जाने का टेंशन स्वाभाविक है। अब अर्चना ने मामले में अपना मुंह खोलते हुए सिद्धू के पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद शेयर किए जा रहे मीम्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर सिद्धू वास्तव में दोबारा आएंगे तो मैं और भी काम कर सकूंगी। मुझे विदेश में शूटिंग का मौका मिला था लेकिन शो के कारण ना कहना पड़ा। यानी मैडम कुर्सी छोड़ते ही विदेश फुर्र हो सकती हैं!

'आई' भी अभिनेत्री हैं!

मुंबई, खूबसूरत अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने रितेश देशमुख से शादी करने के बाद बॉलीलुड को गुडबाय कर दिया था। मगर एक्टिंग का कीड़ा कभी खत्म नहीं होता। वह एक्टर को रह रहकर काटता है। सो इस कीड़े ने जेनेलिया को परेशान करना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि इन दिनों बॉलीवुड में खुसुर-फुसुर चल रही है कि जेनेलिया एक बार फिर से वैâमरे का सामना करने की तैयारी कर रही हैं। आसान शब्दों में वह कमबैक के लिए तैयार हैं। ऐसे में जब जेनेलिया को किसी ने छेड़ा तो मुस्कुराते हुए वह बोलीं कि लंबे समय तक उनके बच्चे यह नहीं जानते थे कि वह अभिनेत्री हैं। उन्हें लगता था कि आई घर पर रहती हैं और बाबा बाहर जाते हैं और डांस कर लौट आते हैं। बच्चों को पहली बार शूटिंग दिखाने के लिए वे 'हाउसफुल-४' के सेट पर ले गई थीं। खैर, यह तो हुई तब की बात। अब तो बच्चे समझदार हो गए हैं और उन्हें पता चल ही गया है कि आई भी अभिनेत्री हैं। हो सकता हो बच्चों ने आई की पुरानी फिल्में देख भी डाली हों। इसलिए आई बिंदास होकर फिल्म के सेट पर जा सकती हैं। आई सेट पर से अपने बच्चों की खैर-खबर पूछ ही सकती हैं। वैसे सुनने में आया है कि रितेश भी खासे फुर्सत में रहते हैं। तब बच्चों की देख-रेख की चिंता भी ज्यादा परेशान नहीं करेगी। यानी रितेश आसानी से जेनेलिया की सेकेंड इनिंग को वेलकम कर सकते हैं!

बिग बॉस 15-रियलिटी शो बिग बॉस 15 का हिस्सा नहीं बनेंगी रिया चक्रवर्ती, लीगल पचड़ों के चलते आई दिक्कतें

हाल ही में रिया चक्रवर्ती को बिग बॉस 15 के सेट बाहर कन्फर्म कंटेस्टेंट तेजस्विनी प्रकाश और दलजीत कौर के साथ स्पॉट किया गया था, जिसके बाद से ही खबरें हैं कि रिया चक्रवर्ती बिग बॉस के इस सीजन में लॉक होने वाली हैं। सुशांत की मौत के बाद रिया काफी सुर्खियों में थीं, ऐसे में उनका शो में जाने से टीआरपी में उछाल आ सकता है, हालांकि अब खबरें हैं कि लीगल पचड़ों में फंसे होने के कारण रिया को इस शो से पीछे हटना पड़ रहा है।

हाल ही में आई बॉलीवुड लाइफ की खबर के अनुसार रिया चक्रवर्ती के लीगल इशू के चलते उनका शो में जाना मुश्किल लग रहा है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया और उनके भाई शौविक का नाम ड्रग केस में सामने आया था जिसके बाद उन्हें कई दिनों तक पुलिस हिरासत में रहना पड़ा था।वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार रिया चक्रवर्ती दोबारा फिल्मों में वापसी करना चाहती हैं जिसके चलते वो साउथ इंडस्ट्री के कई प्रोड्यूसर्स के भी चक्कर काट रही हैं। फिल्मों में आने के लिए एक्ट्रेस ने बिग बॉस में जाने से इनकार कर दिया है। खबरें हैं कि रिया को कुछ फिल्मों और वेब सीरीज के ऑफर मिले हैं। बिग बॉस के मेकर्स ने ऑफर किया बड़ा अमाउंट कंट्रोवर्सी से घिरी हुई रिया चक्रवर्ती का बिग बॉस 15 में आना टीआरपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

कृष्णा अभिषेक-गोविंदा का विवाद:गोविंदा की पत्नी के 'खराब बहू' वाले कमेंट पर अब कृष्णा की पत्नी कश्मीरा शाह ने किया पलटवार, सुनीता आहूजा को कह दिया 'क्रूर सास'

कृष्णा अभिषेक और गोविंदा का विवाद अब उनके घरों तक पहुंच गया है। पिछले कुछ दिनों से कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह और गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के बीच जुबानी जंग जारी है। सुनीता ने कुछ दिनों पहले कश्मीरा को इशारों में खराब बहू कह दिया था जिसपर कश्मीरा ने पलटवार किया है। उन्होंने इशारों में सुनीता को क्रूर सास कह दिया है।

कश्मीरा ने ट्विटर पर लिखा, वर्क ट्रिप की वजह से बाहर थी, अभी लौटी हूं और देख रही हूं कि कुछ लोग कैसे हमारे फैमिली मैटर में अपना हाथ साफ कर रहे हैं। एक बयान को पढ़ते वक्त मेरे बेटे ने मुझसे पूछा कि ये बुरी बहू क्या होता है? मैंने जवाब दिया- वो जिसे एक क्रूर सास मिली हो।#checkmate सुनीता ने एक इंटरव्यू में पिछले दिनों कहा था, मैं बुरी चीजों पर रिप्लाई नहीं करना चाहती लेकिन मां की तरह देखभाल करने के बावजूद ये लोग इतना खराब बिहेव कर रहे हैं। घर में परेशानियां तब शुरू हुईं जब हम खराब बहू लेकर आए। मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहती। मेरे पास लाइफ में करने के लिए बहुत काम हैं।

राज कुंद्रा पर गहना-शर्लिन की तकरार

पिछले दिनों गहना वशिष्ठ ने एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने शर्लिन चोपड़ा को शिल्पा शेट्टी पर तंज कसने के लिए फटकार लगाई थी, साथ ही यह भी कहा था कि शर्लिन को राज कुंद्रा की 'पूजा' करनी चाहिए। अब इस बयान पर शर्लिन ने गहना पर पलटवार किया है। और कहा है कि राज कुंद्रा की पूजा हम करेंगे तो दीदी (शिल्पा शेट्टी) किसकी पूजा करेंगी, बताओ जरा। शर्लिन का कोई अस्तित्व नहीं है- गहना राज कुंद्रा पोर्न फिल्म केस में गहना को भी अरेस्ट किया गया था। जबकि शर्लिन से कई बार पूछताछ की जा चुकी है। गहना ने एक इंटरव्यू में कहा था- वह सिर्फ कपड़े उतारना जानती है और अब वह खबरों में रहने के लिए कीचड़ उछाल रही है। वह यह भी जानती है कि राज कुंद्रा के खिलाफ बोलने पर ही उन्हें अटेंशन मिलेगी और इसीलिए ऐसा कर रही हैं। राज कुंद्रा के जेल से बाहर आने के बाद वह शायद खुद को अकेला महसूस कर रही थीं और लोग उनको भूल गए थे। इसलिए, उन्होंने शिल्पा शेट्टी पर हमला करना शुरू कर दिया। शुक्र है कि शिल्पा के लिए शर्लिन का कोई अस्तित्व नहीं है।

(ECD) पर्यावरण के प्रति जागरूक इंटीरियर डिजाइन

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सामग्री और संसाधनों का इष्टतम उपयोग करते हुए, अच्छी तरह से गठित पर्यावरण जागरूक डिजाइन समाधान (E C D) प्रदान करने में सक्षम पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता है जो व्यावहारिक, सौंदर्यपूर्ण, कुशल पारिस्थितिक और आर्थिक रूप से कुशल हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन अपने मूल में रहने वालों की भलाई सुनिश्चित करते हुए, जरूरतों को पूरा करता है।

यह एक अनुसंधान आधारित जिम्मेदार अभ्यास है, जो पर्यावरण की चिंताओं को दूर करता है।

पर्यावरण के प्रति जागरूक अभ्यास के अनुसरण के लिए आवश्यक उच्च स्तर की व्यावसायिकता और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इसके लिए आवश्यक मूर्त और अमूर्त कौशल, उनके संरचना गुणों, उत्पादन प्रक्रिया और समझ की आवश्यकता होती है। जिम्मेदार (ECD) अभ्यास ऐसे समाधान प्रदान करता है जो गुणवत्ता के उच्च धीरज को सुनिश्चित करते हुए टिकाऊ, कम खर्चीले, अभिनव होते हैं और लोकप्रिय वाणिज्यिक प्रथाओं की तुलना में अधिक कुशल पाए जाते हैं।

(ECD) अभ्यास का मंत्र 'कम के साथ अधिक' की सेवा के इर्द-गिर्द घूमता है। अभ्यास डिजाइन करता है। पौधों और प्रकृति-दृश्यों का परिचय। कुशल फिटिंग और फिक्स्चर का उपयोग। प्राकृतिक प्रकाश को बढ़ावा देना और बढ़ाना। अंतरिक्ष में कलाकृतियों के रूप में उच्चारण का कुशल उपयोग। ऊर्जा कुशल विद्युत फिटिंग, उपकरण और फिक्स्चर। अंतरिक्ष और उपयोगकर्ता विशिष्ट प्रकाश डिजाइन।

हस्तक्षेपों के लिए एक न्यूनतम दृष्टिकोण का पालन करता है, जिससे 'अव्यवस्था मुक्त' संगठन सुनिश्चित होता है जो 'आंखों को प्रसन्न' करता है जो अंतरिक्ष में 'विशालता' की आभा पैदा होती है। प्रत्येक परियोजना अद्वितीय है और उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं का प्रतिबिंब है।

आंतरिक वातावरण में प्राकृतिक लहजे का परिचय, पर्यावरण के अनुकूल होने के लिए अंतिम उपयोगकर्ता की पसंद और व्यक्तिगत स्वाद और विकल्पों के साथ समय के साथ परिवेश को ढालने के लिए लचीलापन प्रदान आंतरिक व्यवस्था का लचीलापन जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए स्थान के इष्टतम उपयोग की सुविधा प्रदान करता है, समय की आवश्यकता है। वैकल्पिक और पर्यावरण के अनुकूल सामग्री बाजार में उपलब्ध है जो आंतरिक की दक्षता और प्रदर्शन में सुधार कर सकती है।

पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन का अभ्यास जिम्मेदार अभिनव, रचनात्मक और अनुसंधान आधारित है। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप वेबसाइट tsapmumbai.in पर जा सकते हैं।

लिटिल स्टार भौतिक इंटरनेशनल आइडल अवार्ड से सम्मानित

सिनेमा और समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय टाइटल से नवाजा

मुंबई , लिटिल स्टार भौतिक को इंटरनेशनल आइडल 2021 अवार्ड से सम्मानित किया गया सिने एवम टीवी आर्टिस्ट भौतिक को सिनेमा और समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय टाइटल से नवाजा गया है आदित्य हॉल में आयोजित समारोह में इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्स क्वीन शिल्पी अवस्थी अफ्रीका अंतर्राष्ट्रीय गुने बिस्साउ प्रतिनिधि साणासी बाइडेन ने ट्राफी और सम्मान पत्र देकर लिटिल स्टार को सम्मानित किया इस अवसर पर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों की कई जानी मानी हस्तिया उपस्थित रही सम्मान समारोह का आयोजन निर्वाण फॉउंडेशन के तत्वधान में किया गया था निर्वाण फॉउंडेशन और अवार्ड सलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष नीलेश यशवंत ने बताया कि लिटिल स्टार भौतिक को सिनेमा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए ज्यूरी ने इंटरनेशनल आइडल 2021 चुना है ।इंटरनेशनल आइडल सम्मान के लिए चुने जाने पर भौतिक ने अपनी प्रतिकिया देते हुए कहा कि य ये उनके लिए बेहद गौरव का विषय है, इस सम्मान के लिए मै ज्यूरी के साथ साथ अपने प्रसंसको को शुक्रिया कहना चाहुगा। लिटिल स्टार ने कहा कि पब्लिक फिगर होना बेहद चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, लोग आपको देखते है प्यार करते है ये सही है पर वो आपकी जीवनशैली को फॉलो भी करते है ऐसे में हमें अपने लुक्स के साथ साथ बहुत सी बातों का खास ध्यान रखना पड़ता है इसमें कैरेक्टर बहुत महत्वपूर्ण है। मै हमेशा कोशिश करता हु कि अच्छे से अच्छा काम करू और लोगो को प्रेरित कर सकूँ । प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज़ नहीं होती और ना ही इसका दायरा सीमित होता हैं बस सच्ची लग्न, मेहनत और दृढ़ इच्छा हो असंभव कुछ भी नहीं इसी बात को साबित किया है भौतिक को इससे पहले 2020 में यंग लीडरशिप अवार्ड के साथ साथ ग्लोबल पीस अम्बेस्डर अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से भी

सम्मानित किया जा चुका है नन्हे सितारे मास्टर भौतिक ने मायानगरी में अपनी अलग पहचान बना चुके लिटिल स्टार भौतिक ने अपनी कला प्रतिभा के दम पर वर्ष 2020 के सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का ख़िताब अपने नाम किया है ।मॉडलिंग की दुनिया से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले भौतिक अभी तक टीवी से लेकर हॉलीवुड तक के प्रोजेक्ट में नजर आ चुके है ।

इन दिनों वो ज़ी टीवी के प्राइम शो अपना टाइम भी आएगा में दिखाई दे रहे है जहाँ उनके किरदार को बहुत पसंद किया जा रहा है।

मुंबई के केईएम अस्पताल के 30 मेडिकल छात्र संक्रमित

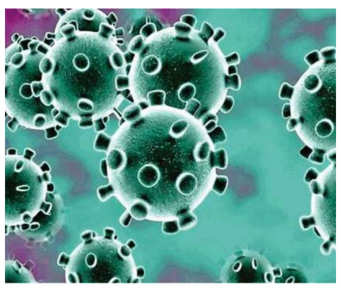

नई दिल्ली। मुंबई के केईएम अस्पताल के बैचलर आफ मेडिसिन एंड बैचलर आफ सर्जरी (एमबीबीएस) के 30 छात्र गुरुवार को कोरोना पाजिटिव पाए गए। इनमें से 28 छात्रों को वैक्सीन की दोनों डोज दी जा चुकी हैं।कोरोना के चपेट में आए कुल 30 छात्रों में 23 एमबीबीएस सेकेंड ईयर के और सात फर्स्ट ईयर के हैं। इनमें से दो छात्रों को इलाज के लिए सेवन हिल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि अन्य छात्रों को उनके घरों में क्वारंटीन किया गया है। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि छात्र कैसे संक्रमित हुए। ऐसी संभावना है कि कालेज में आयोजित सांस्कृतिक और खेल आयोजन के कारण संक्रमण फैला। उन्होंने कहा कि यह मामला गंभीर चिंता का विषय है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री नियमित रूप से लोगों से कोरोना प्रोटोकाल का उचित रूप से पालन करने के लिए कहते रहे हैं। देश में गुरुवार को एक दिन में 23,529 कोरोना के नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,37,39,980 हो गई। वहीं सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 2,77,020 रह गई जो दूसरी लहर में 195 दिन बाद सबसे कम है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार 311 और लोगों की मौत के साथ इस बीमारी के कारण मरने वालों की कुल संख्या 4,48,062 हो गई है। गौरतलब है कि बीएमसी के कमिश्नर इकबाल चहल ने बुधवार को कहा था कि हम चार अक्टूबर से मुंबई में कक्षा आठ से 12 वीं तक के स्कूल फिर से खोल रहे हैं। बाकी कक्षाओं के लिए हम नवंबर में निर्णय लेंगे। सरकार द्वारा जारी सभी कोविड19 के लिए एसओपी को लागू किया जाएगा।

फीस माफी को लेकर महाराष्ट्र के 5 हजार से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

मुंबई, कोरोना काल में दिन-रात सेवाएं देनेवाले राज्य सरकार के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के 5 हजार से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर्स शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। सरकार की ओर से शैक्षणिक फीस माफ न किए जाने पर रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। हालांकि सामूहिक अवकाश पर जाने के दौरान रेजिडेंट डॉक्टर कोविड वॉर्ड, इमरजेंसी वॉर्ड और आईसीयू वॉर्ड्स में अपनी सेवाएं देते रहेंगे। मरीजों को कोई परेशानी न हो, इसलिए ओपीडी में अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर्स अपनी सेवाएं देंगे। सेंट्रल मार्ड के उपाध्यक्ष प्रणव जाधव ने बताया, 'मार्ड से जुड़े तकरीबन 5,200 से अधिक निवासी डॉक्टर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। महाराष्ट्र के सारे डॉक्टर डेढ़ साल से कोविड में सेवा दे रहे हैं और इसी वजह से उनका

अकैडमिक नुकसान हुआ था। उन्हें सिखाने वाले टीचर भी कोविड में काम कर रहे थे। हमने दो मीटिंग रखी थी राज्य के मेडिकल शिक्षा मंत्री के साथ, वह हमारी कई मांगों के पूरा होने पर आश्वासन दिया था लेकिन कोई पॉजिटिव आउटकम नहीं आया।' स्वास्थ्य शिक्षा मंत्री ने दिया था आश्वासन प्रणव ने आगे कहा, 'इस हड़ताल की शुरुवात कल सुबह आठ बजे से होगी और इस हड़ताल में मुम्बई सहित राज्य के 18 सरकारी मेडिकल कॉलेज के निवासी डॉक्टर शामिल होंगे।' कोविड काल में रेजिडेंट डॉक्टरों की सेवाओं और हुए शैक्षणिक नुकसान को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिक्षा मंत्री ने फीस माफ करने का आश्वासन दिया था। सेंट्रल मार्ड के अध्यक्ष डॉ. ज्ञानेश्वर डोभले ने बताया कि बार-बार पत्र दिए जाने के बाद भी सरकार फीस माफी के अपने आश्वासन को पूरा नहीं कर रही है।

इमर्जेंसी ड्यूटी देते रहेंगे डॉक्टर

दो दिन पहले भी इसको लेकर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान निदेशालय के साथ मार्ड ने बैठक की थी। डॉ. डोभले ने बताया कि बैठक में अधिकारी सिर्फ मौखिक आश्वासन दे रहे थे, न कि लिखित में कोई भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि लिखित आश्वासन न मिलने पर सभी रेजिडेंट डॉक्टरों ने एक मत से 1 अक्टूबर सबेरे 8 बजे से मास लीव पर जाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय मार्ड संगठन की हुई राज्य स्तरीय बैठक में लिया गया। मरीजों को कोई परेशानी न हो, इसलिए इमरजेंसी विभाग, आईसीयू और कोविड वॉर्ड में अपनी ड्यूटी देते हुए आंदोलन करेंगे।

पुणे महानगरपालिका चुनाव में बीजेपी-एमएनएस गठबंधन पर सस्पेंस, राज ठाकरे ने अपनाई वेट एंड वॉच की भूमिका

मुंबई, महाराष्ट्र के आदिवासी जिले पालघर में मनसे और बीजेपी की युति(गठबंधन) के बाद राज्य की सियासत का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। अब इस गठबंधन को अन्य आगामी चुनावों में भी कायम रखने की बात सामने आ रही थी। पुणे महानगरपालिका के चुनाव में भी इस गठबंधन के होने की उम्मीद थी। हालांकि अब खुद राज ठाकरे ने इस चर्चा को विराम देने की बात अपने कार्यकर्ताओं से कही है। फ़िलहाल एमएनएस प्रमुख इस मामले पर वेट एंड वॉच की भूमिका अपनाए हुए है।

उन्होंने अपने तमाम कार्यकर्ताओं से भी कहा है कि वे काम पर ध्यान दें। पुणे के कार्यकर्ता भी आगामी महानगरपालिका चुनाव में बीजेपी के साथ गठबंधन करने की जता चुके हैं। इस वजह से फ़िलहाल यह मुद्दा ठंडे बस्ते में जाता हुआ नज़र आ रहा है। राज ठाकरे ने हाल में पुणे का दौरा भी किया था। आगामी चुनाव के लिए पुणे में प्रभाग रचना में भी बदलाव होने की भी संभावना है। ऐसे में मनसे के अंदर इंटरनल स्क्रूटनी शुरू है। गठबंधन का कोई असर नहीं होगा महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से बातचीत के दौरान कहा कि बीजेपी- मनसे के घटबन्धन का कोई खास असर नहीं पड़ेगा। बीजेपी का दोहरा चरित्र पूरे महाराष्ट्र और देश ने देखा है। जनता के मन से अब बीजेपी उतरने लगी है। बीजेपी को अब यह डर सताने लगा है कि वो अकेले चुनाव नहीं जीत सकती इसलिए अब वो पार्टनर तलाशने में जुटी हुई है।मुलाकातों का असर हुआ कुछ दिन पहले महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से उनके घर कृष्ण कुञ्ज में जाकर मुलाकात की थी। चाय पर हुई चर्चा के बाद पाटिल ने मीडिया से कहा था कि राज ठाकरे ने उन्हें चाय पर आमंत्रित किया था। इसलिए वो उनके घर गए थे।

तलाश में ताबड़तोड़ छापे, क्या विदेश भाग गए मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह?

मुंबई, मनी लॉन्ड्रिंग केस में जांच का सामना कर रहे मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह इस समय कहां हैं इसका पता नहीं चल पा रहा है। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि वह देश छोड़कर रूस भाग गए हैं। इस मामले में महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि जांच एजेंसियों को परमबीर सिंह के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

परमबीर सिंह के रूस भाग जाने के सवाल पर पाटिल ने कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ-साथ हम भी उनके बारे में पता लगा रहे हैं। मैंने भी उनके देश छोड़ कर जाने की बात सुनी है। लेकिन एक सरकारी अधिकारी के तौर पर वह बिना सरकार से हरी झंडी मिले विदेश नहीं जा सकते हैं।' पाटिल ने कहा कि हमने एक लुकआउट नोटिस जारी है और अगर वह चले गए हैं तो यह ठीक नहीं है।

चार एफआईआर की गई हैं दर्ज

परमबीर सिंह के खिलाफ जबरन वसूली की कम से कम चार एफआईआर दर्ज की गई हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पुलिस अधिकारियों से होटल और बार मालिकों से रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। देशमुख ने इस आरोप से इनकार किया था और बाद में इस्तीफा दे दिया था।

केंद्र पर मदद का आरोप

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने सवाल उठाया है कि क्या मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को देश छोड़कर भागने में केंद्र सरकार ने मदद की है? बता दें के केंद्रीय जांच एजेंसियों ने परमबीर सिंह के भाग जाने का अंदेशा जताया है।

फिलहाल विदेश यात्रा की नहीं है कोई अनुमति

वाल्से पाटिल ने बताया, 'हमने परम बीर सिंह का पता लगाने के लिए सर्चिंग अभियान चलाया। हम इसके लिए केंद्र सरकार की भी मदद ले रहे हैं। हमारे अधिकारी केंद्र के साथ समन्वय कर रहे हैं। शायद वह भारत से भाग गए हैं लेकिन हमारे पास पुख्ता जानकारी नहीं है। नियमों के अनुसार किसी भी कर्मचारी या यहां तक कि मुख्यमंत्री के लिए भी देश छोड़ने से पहले सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य है। सिंह के मामले में यह पाया गया है कि उन्होंने कभी विदेश यात्रा की अनुमति के लिए आवेदन नहीं किया।’

ऐक्शन लेगी सरकार

इसके अलावा, वाल्से पाटिल ने कहा कि नियमों के अनुसार, जब भी कोई कर्मचारी चिकित्सा अवकाश पर जाता है, तो उसे छुट्टी की अवधि के दौरान अपने ठिकाने के बारे में सरकार को सूचित करना होता है।

MT MUMBAI TARANG मुंबई तरंग

हरीश राजपूत को मुंबई तरंग न्यूज़ सूरत सिटी में ब्यूरो चीफ के पद पर नियुक्ति किया गया है

आईडी नं. MAHHIN78591-085

MOB : 9727180669

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।